हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

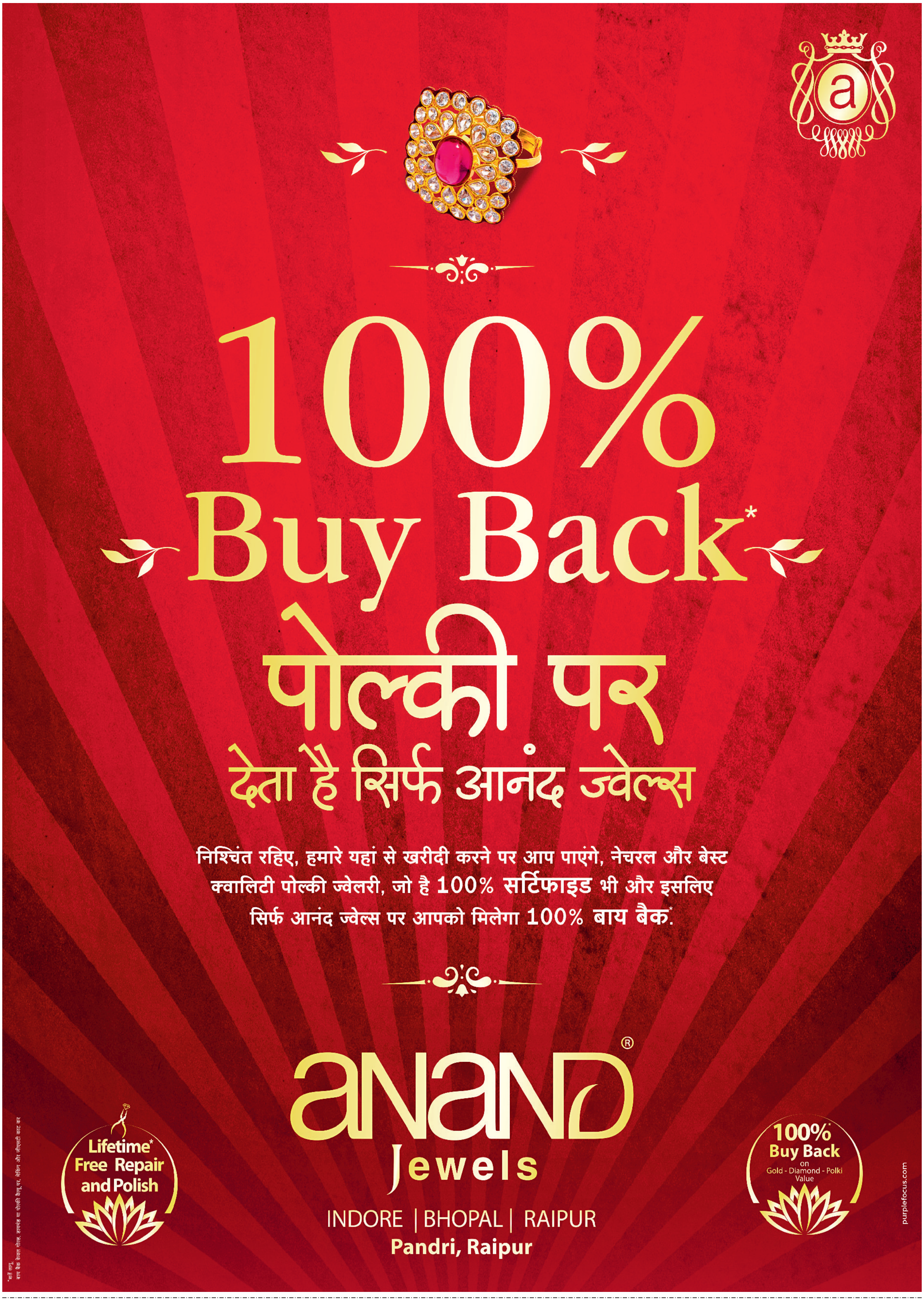

लेट्स प्ले / पूर्ति खरे

खेलें खेल बनें एक्टिव-हेल्दी-हैप्पी

खेलना हर बच्चे को पसंद होता है। स्टडी और बाकी रूटीन-वर्क के साथ-साथ खेलना भी बहुत जरूरी होता है। खेलने से ताजगी तो मिलती ही है, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहता है। खेलना क्यों जरूरी है, इससे क्या फायदे हैं, जानो।

बच्चों, तुमने घर के बड़ों के मुंह से अकसर सुना होगा, 'स्वस्थ तन में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।' पढ़ाई और बाकी मेंटल एक्टिविटीज में एक्टिव रहने के लिए तुम्हारा फिजिकली फिट रहना बहुत जरूरी है। जब तुम कोई गेम, खासकर आउटडोर गेम खेलते हो तो इससे तुम्हारा शरीर फिट रहता है, साथ ही मानसिक विकास भी अच्छा होता है। इसके अलावा खेलने से दूसरे और भी कई लाभ हैं, तुम्हें इसकी भी जानकारी होनी चाहिए, ताकि तुम शारीरिक और मानसिक रूप से हमेशा स्वस्थ रहो।

उमंग-उत्साह का संचार: हमारा मन हमेशा उन कामों को करना चाहता है, जिसे करने में हमें खुशी मिलती है। खेल कुछ ऐसी ही एक्टिविटी है, जब भी हम कोई खेल खेलते हैं, हम उमंग-उत्साह से भर उठते हैं। इससे हमें एक पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। इससे हमारा कंसंट्रेशन अच्छा होता है, जो पढ़ाई में काम आता है, साथ ही अन्य दूसरी एक्टिविटीज में हम आगे बढ़ते हैं। यही वजह है कि आजकल स्कूलों में भी फिजिकल और मेंटल एक्टिविटीज को इंपॉर्टेंस दी जाती है।

बनते हैं डिसिप्लींड-सेल्फ डिपेंड: खेल में सफल होने के लिए एक डिसिप्लीन तो जरूरी है ही, साथ ही स्वयं के प्रयास भी बहुत जरूरी हैं, यही प्रयास हमें सेल्फ डिपेंड बनाते हैं। खेल में सफल होने के लिए नियमित अभ्यास भी बहुत जरूरी है। जो खिलाड़ी इन तीनों बातों का पालन करता है, वह बेहतर प्रदर्शन करता है, सफल होता है। इस तरह खेल हमें सिखाते हैं कि सफल जीवन के लिए डिसिप्लीन, सेल्फ डिपेंडेंट और निरंतर अभ्यास बहुत जरूरी हैं।

पता चलता है संगठित शक्ति का महत्व: अधिकांश खेल समूह में खेले जाते हैं। प्रतियोगी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं, लेकिन वे अपनी टीम के प्रति सहयोगात्मक और समर्पित रहती हैं। खेल हमें सिखाते हैं कि जब हम संगठित होकर काम करते हैं, तो निश्चित ही हम श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतिस्पर्धा की भावना हमें श्रेष्ठ करने का जज्बा देती है: प्रतिस्पर्धा हमें दूसरों से आगे निकलने के लिए प्रेरित करती है। खेलों में यह भावना पूरी तरह से देखी जाती है। यह हमें सिखाती है कि जो आज अच्छा है, वह कल और बेहतर हो सकता है। यही भावना जीवन में भी लागू होती है, जो हमें बेहतर से भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है।

बढ़ती है मेंटल-फिजिकल एक्टिविटी: आजकल बच्चे सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव हैं, इससे उनकी सेहत और याददाश्त प्रभावित होती है। खेल शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सक्रियता प्रदान करते हैं, इससे सेहत और याददाश्त सुधरती है। खेल ना केवल तन को बल्कि मन को भी तंदुरुस्त रखते हैं। इस तरह शारीरिक सक्रियता के लिए खेलना जरूरी है।

हरेक खेल का है अपना महत्व: खेल के मैदान में खेले जाने वाले खेल हों या दिमागी खेल, हर खेल का अपना महत्व है। खेल जीवन को सक्रिय और दिलचस्प बनाते हैं। हर खेल हमें जीवन से जुड़ी कोई ना कोई सीख देता है। खेलों के माध्यम से हम समय का उपयोग बेहतर ढंग से कर सकते हैं, खुद को रिफ्रेश और अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। *

कुछ पुराने रोचक खेल

जब बात खेलों की चल ही रही है तो हम कुछ पुराने और परंपरागत खेलों को भी याद करें। ये खेल बहुत ही रोचक, दिलचस्प और मनोरंजक होते थे। बच्चों, जानो इन खेलों के बारे में।

घोड़ा दीवानशाही: यह एक समूह में खेला जाने वाला खेल है, जिसे बच्चे गोल घेरे में बैठकर खेलते हैं। किसी एक बच्चे के पीछे कपड़े का एक कोड़ा चुपके से रखा जाता है। अगर उसे कोड़े रखे जाना का पता नहीं चलता तो फिर उस पर कोड़े बरसाए जाते हैं।

गिल्ली-डंडा: बहुत ही पुराना खेल है गिल्ली-डंडा। इसमें गिल्ली को डंडे से उछालकर खेला जाता है।

चपेटा (गोटा): लड़कियां इस खेल को ज्यादा खेलती हैं। इस खेल में लड़कियां छोटे पत्थर उछाल कर अपने हाथ से पकड़ती हैं।

चंदा-पउवा (कौड़ी): चार खिलाड़ियों के साथ खेला जाने वाला खेल, जिसमें गोटियों से अंक जुटाए जाते हैं।

पर्ची वाले खेल: पढ़ाई को मजेदार बनाने के लिए यह खेल खेला जाता है, जिसमें वस्तु और शहर के नाम लिखे जाते हैं।

गिप्पी: यह खेल चिकने पत्थर से खेला जाता है, इस खेल को ज्यादातर लड़कियां ही खेलती हैं।

अंताक्षरी: कई लोग बैठकर यह खेल खेलते हैं। इसमें दो टीम होती हैं। गाने के अंतिम अक्षर पर टीम के किसी सदस्य हो गाना होता है। एक टीम के सदस्य का गाना खत्म होने पर दूसरी टीम का सदस्य गाने के अंतिम अक्षर का गाना गाता है। यह खेल बहुत मनोरंजक होता है।

यह भी जानो / नयनतारा

बच्चों, ऑर्केस्ट्रा में, फिल्मी गीतों में या फिर गीत-संगीत के किसी कार्यक्रम में बहुत सारे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ-साथ सबसे अधिक संख्या में जो इंस्ट्रूमेंट प्ले किया जाता है, वह है- वायलिन! आओ, हम तुम्हें 'साजों की रानी' वायलिन के आविष्कार की कहानी बताते हैं।

वायलिन के आविष्कार की कहानी

बच्चों, अगर तुम सौ संगीतकारों का कोई ऑर्केस्ट्रा देखोगे तो उसमें तीस से अधिक वायलिन बजाने वाले होंगे। वायलिन की टोन, इससे निकलने वाली धुनों और इसके एक्सप्रेशन के मल्टीपल लेवल और विस्तृत रेंज के कारण इसे ऑर्केस्ट्रा और अन्य म्यूजिकल इवेंट्स में अधिक महत्व दिया जाता है।

वायलिन के शुरुआत की जड़ें भारत में: बच्चों, वायलिन को विकसित होने में सैकड़ों वर्ष लगे। इसकी शुरुआत अपने देश भारत से मानी जाती है। दरअसल, हमारे देश में ही तारों के साज (म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट) बजाने का चलन आरंभ हुआ था। समय के साथ वीणा, सारंगी, तंबूरा, एकतारा, सितार जैसे साजों का आविष्कार होता गया और ये साज प्रचलन में आते गए। हम देख सकते हैं, आज भी हमारे लोक संगीत में एकतारा, सारंगी, सितार आदि तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स प्रमुखता से बजाए जाते हैं।

इकतारा

वीणा

रेबेक

विएल्ले

हमसे इंस्पायर हुए यूरोपवासी: हमारे तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स से प्रेरित होकर ही मध्य युग के शुरुआत में यूरोप में अनेक तार वाले साज, 'बो'(धनुषाकार तार वाला उपकरण) के जरिए बजाए जाने लगे। इन साजों में से ही एक 'वीएल्ले' था, जो यूरोप में संभवतः 10वीं शताब्दी में बजाया जाने लगा था। इसे संगीतकार अपने कंधे से लगाकर बजाता था।

दो साजों के मिलने से बना एक साज: आगे चलकर वीएल्ले के स्वरूप में भी परिवर्तन आया। उन दिनों एक अरबी साज 'रबाब' या 'रेबेक' भी प्रचलन में आ चुका था। वीएल्ले की स्ट्रेंडी बॉडी में बहुत होशियारी से रबाब के पेग शामिल कर दिए गए और इस मिश्रण से एक नए साज का जन्म हुआ। यह नए प्रकार का इंस्ट्रूमेंट कुछ-कुछ वायलिन जैसा ही था।

वायलिन के वास्तविक स्वरूप का आविष्कार: वैसे तो वायलिन को अपना बुनियादी आकार सन 1550 और 1600 के बीच में मिला और तब से उसमें बहुत मामूली परिवर्तन ही आया है। सबसे सफल वायलिन 17वीं-18वीं शताब्दी में बनाए गए। इटली के अंटोनियो स्ट्राडिवारी का वायलिन निर्माण के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्ट्राडिवरी अलग-अलग प्रकार के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण करते थे। इन्होंने एक हजार से अधिक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का आविष्कार किया था, जिनमें से अधिकतर वायलिन थे। म्यूजिक और वायलिन के प्रति इनकी दीवानगी के कारण स्ट्राडिवरी को 'उस्तादों का उस्ताद' कहा जाता था।

बच्चों, पांच सौ से अधिक वायलिंस ऐसे हैं, जिनके नाम उन महान संगीतकारों के नाम पर पड़े, जो उन्हें बजाते थे, जैसे-विओट्टी..आदि। *

जीके क्विज-125

1. हाल ही में किस फेमस टेनिस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की?
2. चुनाव के बाद एक बार फिर से हरियाणा के मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
3. पिछले दिनों फ्रांस के नए प्रधानमंत्री कौन बने हैं?
4. आइसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन कहां किया जा रहा है?
5. स्वाधीनता से पूर्व साइमन कमीशन कब भारत आया था?
6. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?
7. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
8. एफिल टावर कहां स्थित है?
9. 'मालगुडी डेज' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
10. सर्वप्रथम किस विदेशी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

बच्चों, जीके क्विज-125 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-124 का उत्तर : 1.यूएई, 2.विराट कोहली, 3.मिथुन चक्रवर्ती, 4.जर्मनी, 5. पामीर का पठार, 6.लोहा, 7.कैरोटीन, 8.शेरशाह सूरी, 9.ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, 10.मत्स्य पालन

जीके क्विज-124 का सही उत्तर देने वाले : अनिल-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, मानवी मधुकर-बिलासपुर, क्षमानिधि-बेमेतरा, पृथ्वीराज-बिलासपुर, शुभम-बिलासपुर, जय-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, आशुतोष-परसदा, आर्यन-रोहतक, दिव्या-रायपुर, हितेश-महासमुंद

हंसगुल्ले

नव्या : दुनिया में कितने देश हैं?
नैंसी : सिर्फ एक देश है– भारत।
नव्या : तो फिर अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, रूस ये सब क्या हैं?
नैंसी : अरे बुद्धू, वो सब तो विदेश हैं।
-खुशबू, रायपुर

चिंटू स्कूल जाते हुए बहुत रो रहा था।
पापा : चुप हो जाओ.. शेर बच्चे रोते नहीं।
चिंटू : लेकिन शेर बच्चे स्कूल भी तो नहीं जाते।
-राहुल, महासमुंद

मोनू : मैं चावल को बर्फ बना सकता हूं।
सोनू : (आश्चर्य से) वो कैसे?
मोनू : 'R' हटाकर।
सोनू : मतलब?
मोनू : जब हम RICE (चावल) में से R हटा देंगे तो ICE (बर्फ) ही तो बचेगा न।
-कुमकुम, बिलासपुर

गोलू और नन्ही चिड़िया

गोलू अपने मामा के गांव से लौटकर आया तो उसे वहां के बगीचे में फुदकती एक चिड़िया बहुत याद आती। उसका यही मन करता, वह चिड़िया यहां भी दिखाई दे। लेकिन चिड़िया दिखाई कैसे देती, उसके घर के आस-पास कोई पेड़ ही नहीं था, जिस पर आकर चिड़िया बैठती, चहकती। क्या गोलू अपने घर के आस-पास पेड़ की कोई व्यवस्था कर पाया?

कहानी
कल्लोल चक्रवर्ती

विद्यालय में दशहरे की छुट्टियां हुईं तो गोलू अपने मामा के गांव चला गया। वहां से जब वह वापस अपने घर लौटा तो उदास था। मामा के गांव में उसके कई दोस्त बन गए थे। उन सबकी गोलू को बहुत याद आ रही थी। सबसे ज्यादा नन्ही चिड़िया याद आ रही थी, जो रोज सुबह बगीचे में उससे मिलने आती थी। हुआ यह कि एक सुबह गोलू बगीचे में बैठा दूध-रोटी खा रहा था, तभी उसकी नजर अमरूद के पेड़ की निचली डाल पर बैठी एक सुंदर-सी चिड़िया पर पड़ी। गोलू को लगा कि चिड़िया उसे दूध-रोटी खाता देख रही है। उसने रोटी का एक टुकड़ा चिड़िया के सामने फेंक दिया, पहले तो चिड़िया ने उसे टुकुर-टुकुर गर्दन मटकाते देखा फिर रोटी का टुकड़ा आकर खा लिया। अगले दिन फिर ऐसे ही हुआ। फिर तो यह गोलू का खेल ही बन गया। मामी उसे खाने के लिए कटोरी में दूध-रोटी देतीं, तो वह बगीचे में जाकर बैठ जाता। एक-दो कौर खाने के बाद ही देखता कि चिड़िया अमरूद के पेड़ की डाल पर आ बैठी है। उससे रोटी पाने का इंतजार कर रही है। गोलू को आश्चर्य होता कि चिड़िया को उसके आने का पता कैसे लगा जाता है? गोलू की इस चिड़िया से बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी।

गोलू जब वापस शहर अपने घर पर लौटा तो भी वह चिड़िया उसे बहुत याद आ रही थी। गोलू की आंखों में आंसू आ गए। उसकी मां ने देखा तो उन्हें यही लगा, मामा के गांव के दोस्तों का साथ छूट जाने से वह दुखी है।

गोलू रात सोया तो सपने में वही नन्ही सुंदर चिड़िया आई। पेड़ पर बैठकर वह गोलू को देख रही थी। गोलू बहुत खुश था। सुबह उठने पर उसे यकीन ही नहीं हुआ कि वह अपने घर में है। गोलू कटोरी में दूध-रोटी लेकर घर के बाहर बैठ गया। उसे लगा कि शायद यहां शहर में भी चिड़िया आएगी। लेकिन यहां दूर-दूर तक कोई चिड़िया नहीं थी। स्कूल जाते हुए वह पूरे रास्ते इधर-उधर देखता रहा कि कहीं वह चिड़िया दिख जाए। उसने दोस्तों से सुना था, चिड़िया उड़कर कहीं भी पहुंच सकती है। स्कूल में पढ़ाई के समय भी वह क्लास में चिड़िया के बारे में सोचता रहा। उसे अपने जिगरी दोस्त चीकू से मिलकर भी खुशी नहीं हुई। स्कूल में छुट्टी होने के बाद घर लौटते समय गोलू ने चीकू को उस चिड़िया के बारे में बताया। चीकू ने बताया, 'मेरे चाचा ने एक चिड़िया पाली थी, पर वह दो दिन में ही उड़ गई। अब वह कभी-कभी पास के पेड़ की डाल पर आकर बैठती है। पेड़ ही तो चिड़िया के घर होते हैं।'

यह सुनकर गोलू उदास हो गया। उसके घर के सामने तो कोई पेड़ ही नहीं है। घर लौटते ही उसने देखा कि दरवाजे पर दादी बैठी हैं। गोलू ने दादी से कहा, 'मैं घर के सामने पेड़ लगाऊंगा, तभी तो चिड़िया बैठेगी।' दादी यह सुनकर जोर से हंस पड़ीं, बोलीं, 'पौधे लगाएगा, तभी तो पेड़ बनेंगे।'

गोलू सोच में पड़ गया कि वह पौधे लाए तो कहां से लाए? दादी को पता था कि ननिहाल से लौटने के बाद से ही गोलू उदास है। उन्होंने कहा, 'तू चिंता मत कर। हरिया माली से कहकर कुछ पौधे मंगवा लूंगी मैं। वह लगा भी देगा।'

अगले दिन गोलू ने स्कूल से आकर देखा कि घर के सामने कुछ पौधे लगाकर हरिया काका ने उन्हें बांस से घेर भी दिया है। खुशी से वह अंदर गया, तो दादी बोलीं, 'बेटा, सिर्फ खुश होने से काम नहीं चलेगा। इन नन्हे पौधों में रोज पानी तुझे ही देना होगा, तभी ये पेड़ बनेंगे, इनमें फूल खिलेंगे, फल आएंगे। इन पर आकर कई सारी चिड़ियां बैठेंगी।'

गोलू खुशी-खुशी राजी हो गया। मन ही मन बोला कि कल स्कूल जाने पर चीकू को सबसे पहले यह खबर दूंगा। उस रात सपने में गोलू को फिर वह चिड़िया दिखाई दी। इस बार वह मामा के घर के बगीचे में अमरूद के पेड़ पर नहीं, उसके घर के सामने लगे पौधों के बीच इधर-उधर फुदक रही है। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

उड़कर आसमान को छू लें

चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।
बिना पेड़ पर चढ़े रसीले, आम तोड़ कर खाएं।।
पंख हमें दो ऐसे, जिसमें हों सोने के सिक्के,
जिसे देख कर धरतीवासी रह जाएं भौचक्के,
गिरें टपाटप सिक्के, पांखें जितनी बार हिलाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
आसमान में छैल-छबीली ढेरों उड़ें पतंगें,
लड़ें पेंच पर पेंच सैकड़ों जब भी कटें पतंगें,
कटी पतंगों को उड़कर हम पकड़-पकड़ फिर लाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
नाना जी के घर जाना हो या जाना हो मेला,
जाम लगा हो या सड़कों पर उमड़ रहा हो रेला,
पल में पंख पसारें अपनी मंजिल को हम पाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
बस गाड़ी का इंतजार भी करना नहीं पड़ेगा,
मम्मी-पापा को संग लेकर चलना नहीं पड़ेगा,
उड़कर पढ़ने जाएं, विद्यालय से उड़कर आएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
चिड़िया बोली पंख तुम्हारे भीतर लगे हुए हैं,
हिम्मत, ताकत, जोश, हौसले के पर उगे हुए हैं
बस अंदर झांकें, अपने इन पंखों को फैलाएं।
उड़कर आसमान को छू लें, जो चाहें, वो पाएं।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां जंगल की सैर पर निकले भोलू भालू के दो चित्र दिए गए हैं। ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सात अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सातों अंतर खोजो।

उत्तर: [illegible]

पूरा करो लोकोक्ति-मुहावरे

बच्चों, यहां कुछ अधूरी लोकोक्तियां और मुहावरे दिए गए हैं, इन सभी में रिक्त स्थानों पर शरीर के किसी-न-किसी अंग का नाम भरने से ये पूरे और अर्थपूर्ण हो जाएंगे। तुम रिक्त स्थानों में उपयुक्त अंगों का नाम भरकर इन लोकोक्तियों/मुहावरों को पूरा करो।

1. .... का तारा होना।
2. .... पर जूं न रेंगना।
3. .... का बाल होना।
4. .... पर सवार होना।
5. .... पर मूंग दलना।
6. ....चौड़ा होना।
7. .... का पानी न हिलना।
8. .... मुंह को आना।
9. .... की जूती।
10. ....बांका न होना।
11. ....धोकर पीछे पड़ना।
12. ....जाए पर दमड़ी न जाए।
13. .... खट्टे करना।
14. .... टेक देना।
15. ....पर मौत सवार होना।

प्रस्तुति : दीनदयाल शर्मा

उत्तर : 1. आंख 2. कान 3. नाक 4. सिर 5. छाती 6. सीना 7. पेट 8. कलेजा 9. पैर 10. बाल 11. हाथ 12. चमड़ी 13. दांत 14. घुटने 15. सिर

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां बाईं तरफ एक नन्ही परी का चित्र दिया गया है। दाईं तरफ चार परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ कि इस नन्ही परी के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

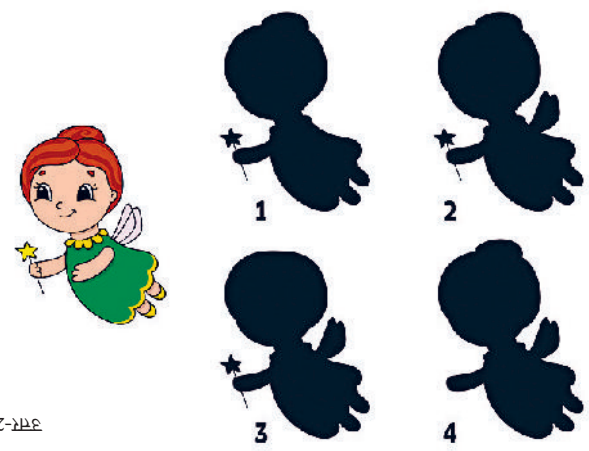

उत्तर-2

हरिभूमि
संस्कारधानी भूमि
रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024
[राजनांदगांव | कवर्धा | डोंगरगांव | अं. चौकी | मोहला | मानपुर | छुरिया | डोंगरगढ़ | खैरागढ़ | छुईखदान | गंडई | पंडरिया | पांडातराई | स लोहरा | बोड़ला | कुण्डा | कोलेगांव]

चुनावी साल में शहर विकास के लिए लगातार मिल रहा फंड

सात करोड़ की सड़कें उखड़ी अब खर्च होगा दस करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शहर के विभिन्न इलाकों में होंगे डामरीकरण के काम

शहर की खराब सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए शासन से फिर एक बार फंड मिला है। इस बार करीबन 41 कामों के लिए दस करोड़ की स्वीकृति दी गई है। ज्ञात हो कि लगभग छह महीने पहले भी सड़कों की मरम्मत के लिए निगम ने सात करोड़ रुपए खर्च किए थे, लेकिन गुणवत्ताहीन कामों की वजह से कुछ महीनों में ही दोबारा खराब हो गई है।

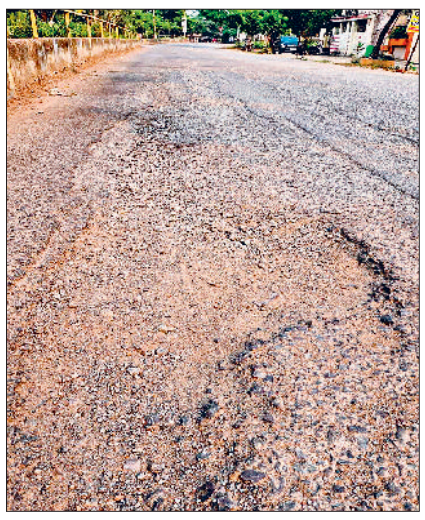

मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा बुधवार को यह स्वीकृति दी गई है। जिसमें कुल 41 कामों के लिए 10.03 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि शहर के विभिन्न इलाकों से सड़कों की स्थिति को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही है। ऐसे में हालत सुधारने के लिए पिछले एक साल के भीतर दो से तीन दफा फंड भी जारी किया जा चुका है, इसके बाद भी सड़कों की हालत सुधरने का नाम नहीं ले रही है। एक बार फिर भारी भरकम राशि खर्च करने की तैयारी कर ली गई है। निगम चुनाव से पहले हर वार्ड में विकास की कोशिशे की जा रही है।

हाईकोर्ट भी जता चुका नाराजगी : शहर से लेकर गांव तक सड़कों की बदहाल स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। बीते दिनों शहर में सात करोड़ रुपए खर्च कर सड़कों की स्थिति सुधारने की कवायद की गई थी, लेकिन उसके बावजूद शहर के अधिकांश इलाकों में सड़कों की स्थिति बदहाल बनी हुई है। भ्रष्टाचार के इस खेल में ठेकेदार के साथ ही अफसर और जनप्रतिनिधि भी बराबर हिस्सेदार हैं। हाईकोर्ट ने भी अब सड़कों की स्थिति को लेकर नाराजगी जाहिर की है।

कांग्रेस वार्डों में कम खर्च?

इस साल अंत में नगरीय निकाय के चुनाव होने हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार भी इसको ध्यान में रखते हुए लगातार निकाय में विकास कामों के लिए बजट जारी कर रही है। इसको लेकर भी कांग्रेसी पार्षदों में कुछ नाराजगी देखने को मिल रही है। उनका कहना है कि भाजपा पार्षदों के वार्डों में ढ़ेरों स्वीकृति मिल रही है। जबकि उनके वार्ड में गिनती के काम ही स्वीकृत किए जा रहे हैं।

कमीशन के चक्कर में गुणवत्ताहीन काम

शहर में लगातार सड़कों की हालत सुधारने के लिए लाखों-करोड़ों का फंड खर्च किया जा रहा है, लेकिन इसके बाद भी सड़कों में गड्ढे और उनकी जर्जर हालत वैसे ही बने हुए है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अफसर और जनप्रतिनिधियो द्वारा लिए जाने वाला कमीशन है। ठेकेदार से भारी भरकम कमीशन लेने के चक्कर में काम की गुणवत्ता खराब होती है और कमीशन लेने वाले अफसर व नेता उसके खिलाफ कार्रवाई भी नहीं करते हैं।

शहर में होगा डामरीकरण का काम

इस बार शहर के अधिकांश इलाकों में डामरीकरण के कामों को स्वीकृति दी गई है। इनमें पुराना बस स्टैंड, मानव मंदिर चौक से इंदिरा नगर चौक, दिग्विजय कॉलेज से फौव्वारा चौक, गांधी चौक से आजाद चौक, ओस्तवाल लाइन से गंज चौक, भारत माता चौक से गंज चौक, सुमित बाजार से गुड़ाखू लाइन तक बीटी रोड, दुर्गा चौक से कुआं चौक तक डामरीकरण के काम शामिल हैं।

जड़ी बुटी युक्त खीर लेने पहुंचे हजारों पीड़ित

तीन हजार लीटर खीर प्रसाद का वितरण: मिली जानकारी के अनुसार दूरदराज से आने वाले हर भक्त को खीर प्रसाद उपलब्ध कराने के लिए मां पाताल भैरवी मंदिर समिति द्वारा लगभग 30 हजार से भी अधिक भक्तो के लिए खीर प्रसाद तैयार किया गया था। इतने लोगों के लिए लगभग तीन हजार लीटर दूध की खीर तैयार की गई थी।

शहर के मां पाताल भैरवी मंदिर में शरद पूर्णिमा की रात्रि श्वांस, दमा एवं अस्थमा पीड़ितों को जड़ी बुटीयुक्त खीर का वितरण किया गया। इस दौरान कई राज्यों और प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों श्रद्धालु जड़ी बूटीयुक्त खीर ग्रहण करने पहुंचे। मंदिर समिति के सचिव गणेश प्रसाद शर्मा ने बताया कि मंदिर समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा की रात लोगों को बेहतर स्वास्थ्य देने के उद्देश्य से जड़ी बूटीयुक्त खीर का वितरण किया गया। हजारों लोग शरद पूर्णिमा की रात जड़ी बूटीयुक्त इस खीर को ग्रहण करने पहुंचते हैं। इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालु ने यहां पहुंचकर प्रसाद स्वरूप जड़ी बूटीयुक्त खीर ग्रहण किया। रायपुर सहित अन्य जिलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि प्रतिवर्ष वे यहां आते हैं और यहां के खीर सेवन से उन्हें काफी लाभ भी होता है।

नगद खरीदें • सस्ता खरीदें
क्रेडिट व डेबिट कार्ड स्वीकार्य
दशहरा व दीपावली के शुभ अवसर पर पूरे परिवार का कपड़ा खरीदने व उपहार पाने का सुनहरा मौका
प्रशांत क्लॉथ मर्चेन्ट
थोक भाव में शहर का रिटेल कपड़ा दुकान
प्रकाश होलसेल बाजार
Mo. 9981640064, 9993734455
सीधे कंपनी के भाव में 1 अक्टूबर से 1 नवंबर 2024 तक
सूरत साड़ी मेला
नया स्टॉक • नई डिजाईन • फुलरेंज
साड़ियां टॉप व कुर्तियां मेन्सवीयर सूटिंग-शर्टिंग हैण्डलूम
एवं समस्त रेडिमेड आइटम
शुक्ला मार्केट, चंडी मंदिर के पास, डोंगरगांव

श्री Restaurant

श्री फैमली रेस्टोरेंट
शुद्ध शाकाहारी
पार्सल सुविधा उपलब्ध
बर्थ-डे पार्टी, किटी पार्टी, एनेवर्सरी, बिजनेश मिटिंग एवं सभी अवसरों के लिये फैमली हॉल उपलब्ध है...

पता- माथलडबरी, डोंगरगांव (मोहड़ चौक से छुरिया रोड पर 1 कि.मी.)
शुभम वैष्णव 87702 56822 | सुरेश वैष्णव 97521 52337

मतदाता सूची का हुआ प्रारंभिक प्रकाशन, दावा आपत्ति 23 तक

सुनाई देने लगी निकाय चुनाव की आहट

हरिभूमि न्यूज ⏭ मोहला

कलेक्टर एस जय जयवर्धन ने सभाकक्ष में नगर पालिका निर्वाचन एवं पंचायत निर्वाचन के कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर पालिका निर्वाचन अंतर्गत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है।

विधानसभा एवं लोकसभा निर्वाचन की मतदाता सूची को आधार मानकर नगर पालिका निर्वाचन एवं पंचायत निर्वाचन के लिए मतदाता सूची तैयार किया जा रहा है।

नगर पालिका निर्वाचन के लिए 16 अक्टूबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। आगामी 23 अक्टूबर तक दावा आपत्ति प्राप्त किया जाएगा।

पंचायत की सूची 24 को जारी होगी

पंचायत निर्वाचन अंतर्गत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन आगामी 24 अक्टूबर को किया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 25 नवंबर को होगा। कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि हर नागरिक को मतदान का अधिकार है। कोई भी मतदाता मतदान करने से न छूटे यह प्राथमिकता में शामिल किया गया है।

चौकी में 7376 वोटर

उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी अंतर्गत कुल 15 वार्ड है। यहां मतदाताओं की संख्या 7376 है जिसमें पुरुष 3450 एवं महिला मतदाता की संख्या 3926 है। पंचायत निर्वाचन अंतर्गत जिले में कुल 185 ग्राम पंचायत है। जहां सरपंच के लिए निर्वाचन होगा। पूर्व निर्वाचन के अनुसार जिले में 2416 पंच पद के लिए निर्वाचन हुआ था। वर्तमान में जिला अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्यों की संख्या 47 एवं जिला पंचायत सदस्यों की संख्या 7 है।

दो दिन में मिले 19 आवेदन

गंडई पंडरिया। राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार नगर पंचायत अंतर्गत मतदाता सूची का प्रारँभिक प्रकाशन किया गया। नाम जोड़ने, सुधारने के लिए आगामी 23 अक्टूबर दावा आपत्ति पेश किया जा सकता है।

लोग दावा आपत्ति प्राधिकृत कर्मचारियों को प्रस्तुत कर सकते है जिसके लिए स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत एवं तहसील कार्यालय में भी कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौपी गई है। दावा आपत्ति कार्यालयीन दिवस में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक किया जा सकता है। निकाय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर को 2 एवं 17 अक्टूबर को 17 आवेदन प्राप्त हुए हैं। नए मतदाता को नाम जुड़वाने के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट फ़ोटो के साथ आवेदन देना होगा।

अवलोकन करने की अपील

कलेक्टर ने सभी नागरिकों से मतदाता सूची का अवलोकन करने का आव्हान किया है। मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर दावा आपत्ति कर सकते हैं। यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो उसे भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपने विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक नामावली में नाम शामिल करना होगा। मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन अथवा विलोपन के लिए भी दावा आपत्ति कर सकते हैं। नगर पालिका निर्वाचन अंतर्गत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 नवंबर को किया जाएगा।

थाइलैंड से आई बुद्ध की प्रतिमा, 20 को स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

आदर्श बौद्ध महासभा नागसेन बुद्ध विहार के नवनिर्मित बुद्ध विहार में आगामी 20 अक्टूबर को थाइलैंड से आई भगवान बुद्ध प्रतिमा की स्थापना होगी। इस दिन धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस मनाया जाएगा एवं वर्षावास का समापन होगा।

उक्त कार्यक्रम में भंते नागार्जुन सुरई ससाई की अगुवाई में अन्य भंतो के तत्वावधान में परित्राण पाठ कर भगवान बुद्ध मूर्ति स्थापित होगी। ज्ञात हो कि नवीन बुद्ध विहार का निर्माण में अब तक 1 करोड़ 60 लाख से अधिक राशि लग चुकी है। यह बुद्ध विहार भव्य बनाया जा रहा है। इसका निर्माण में बौद्ध समाज एवं शासन के सहयोग से हो रहा है। निर्माण अब अंतिम चरण पर है। नवनिर्मित बुद्ध विहार में अभी प्रतिमा स्थापित की जा रही है पर इस बुद्ध विहार का लोकार्पण कार्य होने के बाद किया जाएगा।

बेहतर सज्जा एवं लिफ्ट सुविधा

पूर्व के बुद्ध विहार के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण नया बुद्ध विहार का निर्माण उसी स्थल पर किया गया है। नगर में बौद्ध समाज की बहुलता को देखते हुए इस बुद्ध विहार को भव्य रूप से बनाया गया है ताकि सभी एक साथ पूजा अर्चना कर सके। बुद्ध विहार दूसरी मंजिल पर है नीचे सामाजिक कार्यक्रम के लिए जगह रखी गई। दूसरी मंजिल पर स्थित बुद्ध विहार में जाने के लिए बुजुर्गों के लिए लिफ्ट लगाया जा रहा है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

सार समाचार

खीर-पोहा का वितरण

डोंगरगढ़। जैन संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस के उपलक्ष में गुरुवार को सिंघई किशोर जैन एवं परिवार ने गोलबाजार स्थित हैप्पी एंड ब्यूटी कलेक्शन में पोहा एवं खीर का वितरण किया। इस दौरान सिंघई निशांत जैन, सोनल जैन, मोक्ष जैन, सिंघई शैलेंद्र जैन, गौतम चोपड़ा, हरीश भंडारी, अभिषेक जैन, गौरव जैन, पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम मौजूद थे।

कबड्डी प्रतियोगिता 19 को

चिचोला। न्यू स्टार कबड्डी क्लब शिकारीटोला के तत्वावधान में एक दिवसीय रात्रि कालीन कबड्डी प्रतियोगिता 19 अक्टूबर को रखा गया है। प्रथम पुरस्कार 10001, द्वितीय 7001 तृतीय 5001 और चतुर्थ पुरस्कार 4001 रुपए दिया जाएगा। यह जानकारी समिति के गुलशन नेताम ने दिया।

भाषण स्पर्धा में विकास प्रथम

जालबांधा। स्थानीय नवीन महाविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य संजय देवांगन ने इस मौके पर कहा कि जनजातीय समुदाय सांस्कृतिक संप्रभुता का संरक्षक है। वर्तमान पीढ़ी जो आजादी के साथ जीवन जी रही है वह जनजाति नायकों की कर्जदार है। हमारा कर्तव्य है कि उनके बलिदानों को सदैव याद रखें। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने जनजातीय समाज के इतिहास, समाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान पर प्रकाश डाला गया। प्रतियोगिता में विकास ने प्रथम, तालेश्वरी साहू द्वितीय तथा टोमेश्वरी को तृतीय स्थान मिला। निर्णायक रितेश बंजारे, कमलेश चेलक, पूजा देवांगन थी।

कौशल प्रशिक्षण शिविर आरंभ

मोहला। जिला कौशल विकास प्राधिकरण जिले के 14 से 45 वर्ष के युवाओं को रूचि के अनुसार नि.शुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 14 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक शिविर का आयोजन किया है। इस प्रशिक्षण में डोमेस्टिक डेटा एंट्री आपरेटर, सिलाई, मेसन जनरल, वर्मी कंपोस्ट, गार्डनर, इलेक्टिशियन, वेल्डिंग, फील्ड टेक्निशियन, मशरूम ग्रोवर, सुर्यमित्र, टेलीकॉम टेक्निशियन, जल वितरण संचालक एवं अन्य कोर्स शामिल है। शिविर 18 अक्टूबर को ईरागांव, 21 को चिल्हाटी, 22 को मोहला, 23 को खडगांव, 24 को चौकी, 25 को दनगढ़, 28 अक्टूबर को मानपुर में आयोजित होगा।

मनाया विद्यार्थी दिवस

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. ईव्ही रेवती के निर्देशन में 15 अक्टूबर को विज्ञान संकाय ने डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर विश्व विद्यार्थी दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. रेवती एवं प्राध्यापकों ने कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। डॉ. कलाम की जीवनी पर रामेश्वरी यादव, उमा पाल एवं मोनिका देवांगन ने अपने विचार रखे। सभी प्राध्यापकों ने कलाम के संघर्षों पर प्रकाश डाला। ओपी वर्मा ने नीचे से उठकर राष्ट्रपति बनने तक के संघर्ष से विद्यार्थियों को सीख लेने प्रेरित किया। अविनाश सिंह ने उनकी पुस्तकों एवं उनके संघर्ष काल में साथ देने वाले व्यक्तियों के बारे में बताया। गुलशन सिन्हा ने अनोखे व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर ऋचा अग्रवाल, गोकुल साहू, सोनाली लोया, निवेद शर्मा, राजेश्वरी ठाकुर आदि उपस्थित थे। अंत मे गौरव तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।संचालन प्रभात बैस ने किया।

तेजबती साहू को श्रद्धांजलि

डोंगरगढ़। टेड़ेसरा में स्व. तेजबती साहू की श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस नेता विष्णु लोधी शामिल हुए। स्व. साहू जिला इंका ग्रामीण के अध्यक्ष भागवत साहू की माता थीं। उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोधी ने कहा कि उनका जीवन त्याग और सेवा का प्रतिरूप था।

छात्रों को घरेलू सामग्री बनाने का प्रशिक्षण

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. ईव्ही रेवती के मार्गदर्शन में कैरियर गाईडेंस सेल एवं महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक दिवसीय व्याख्यान सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। व्याख्यान में वक्ता के रूप में पद्मश्री फुलबासन यादव, जानिया साहू एवं प्रशिक्षक पोषण सिन्हा उपस्थित थे। इस मौके पर पद्मश्री श्रीमती यादव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे आसपास उपलब्ध छोटी-मोटी वस्तुओं से ही दिनचर्या की जरूरत के समान बनाया जा सकता है। प्रशिक्षक ने छात्र-छात्राओं करे साबुन, निरमा एवं फिनाईल बनाने की प्रक्रिया के बारे में बताया। संचालन गुलशन सिन्हा एवं आभार प्रदर्शन वेदप्रकाश साहु ने किया।

रेंजर- रोवर जलकी रवाना

डोंगरगढ़। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छग के आदेशानुसार राज्य स्तरीय एडवेंचर हाईक, व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर ग्राम जलकी सिरपुर जिला महासमुंद में 17 से 19 अक्टूबर तक आयोजित है। शिविर में डॉ. आम्बेडकर ओपन रोवर क्रू के 3 रोवर एवं सरोजनी ओपन रेंजर के 3 रेंजर शामिल होने रवाना हुए। जिला मुख्य आयुक्त महेश खंडेलवाल, डीईओ प्रवास सिंह बघेल, बीईओ बिरेन्द्र कौर गरचा, उमेश हथेल, देवेन्द्र अम्बादे, लेखराम वर्मा ने समस्त रोवर रेंजर को शुभकामनाएं दी है। यह जानकारी राकेश भावते ने दी।

आईएचआरएसजेओ महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं राजलक्ष्मी तिवारी

खैरागढ़। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सामाजिक न्याय संगठन मे शहर की रानी राजलक्ष्मी तिवारी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ नीरज सिंह, प्रभारी ईश्वर जोशी की अनुशंसा पर कोर कमेटी ने संगठन के प्रति आदर, निस्वार्थ सेवा और संगठन की प्रगति को लेकर सकारात्मक पहल के चलते रानी राजलक्ष्मी तिवारी को महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। रानी राजलक्ष्मी तिवारी के अलावा कोर कमेटी ने सुनील खांडल राष्ट्रीय महासचिव तकनीकी व प्रशासनिक, पंकज डिडवानिया राष्ट्रीय सलाहकार, करण सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा और सुनील सैनी को राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप मे नवीन जिम्मेदारी देते हुए देश के हर प्रदेश मे संगठन संचालन को लेकर बेहतर प्रतिनिधियों का चयन करने और संगठन को आगे बढ़ाने की दिशा मे काम करने कहा है। नवीन जिम्मेदारी मिलने पर बताया कि संगठन संचालन सहित उसके उद्देश्यों की पूर्ति को लेकर वो सजगता से काम करेंगी। रानी राजलक्ष्मी तिवारी को नवीन दायित्व मिलने पर अंजू शर्मा, निशा अग्रवाल, शरद बोहरे, संजय सिंह, माही जंघेल अन्य ने बधाई दी है।

हरिभूमि
पाठक सूचना
राजनांदगांव जिले में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें
8319268069, 9425565082

MODULAR KITCHEN Galaxy NX
10-15 साल की वारंटी के साथ
No. Extra Expenses
इस त्योहार बनाएं मॉड्युलर किचन आकर्षक ऑफर के साथ...
Gift Hamper up to 15000/-*
/KitchenGalaxyNXModular
₹ 60,000 ₹ 90,000 ₹ 1,50,000
C-4, Sector-1, Devendra Nagar, Near City Center Mall, Raipur 9977115597, 8319076661

Health Town
K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुर्वेद, स्वथ्य जीवन का राज)
वैद्य- डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob: 9111922122, 9111912122, 0771-3558564
पता :- B-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(22 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा वेम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

भामसं ने मनाया समरसता दिवस

राजनांदगांव। भारतीय मजदूर संघ की जिला ईकाई राजनांदगांव ने मंगलवार को देश के प्रख्यात चिंतक व विचारक तथा भामसं किसान संघ, विद्यार्थी परिषद्, स्वदेशी जागरण मंच जैसे राष्ट्रव्यापी संगठनों के संस्थापक दंतोपंत ठेंगड़ी की पुण्यतिथि समरसता दिवस के रूप में मनाई।

भामसं के जिला मंत्री नरेश कुमार साहू के अनुसार स्थानीय दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर महावीर चौक में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता भामसं के जिला उपाध्यक्ष गजानंद मिश्रा ने की। इस अवसर पर विभाग प्रमुख योगेशदत्त मिश्रा ने ठेंगड़ी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते कहा कि उन्होंने अपना सारा जीवन दीनहीन व वंचितों की सेवा में समर्पित कर दिया था। वे समाज में व्याप्त बुराईयों से बेहद आहत रहते थे। समाज में समरसता के लिए उन्होंने अपना सारा जीवन लगा दिया, वे वैचारिक रूप से इतने मजबूत थे कि सोवियत संघ के विघटन व वामपंथी विचारधारा के पतन की भविष्यवाणी दशकों पहले कर दी थी। श्री मिश्रा ने कहा कि देश के ट्रेड यूनियन आंदोलन में भारत माता की जय का नारा उन्हीं की देन है। उन्होंने मजदूर क्षेत्र में नई विचारधारा का प्रतिपादन किया। वर्ग संघर्ष के बजाय समन्वय व सामजस्य को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि उनके जीवनकाल में ही भारतीय मजदूर संघ देश में प्रथम क्रमांक का संगठन बना। इस अवसर पर जयप्रकाश साहू, गोपालदास साहू, केशवराम सिन्हा, धनेश्वरी साहू, हेमंत साहू, पोदास सार्वा, ठाकुरराम यादव, देवव्रत साहू, खेमचंद साहू, लोमश वर्मा, कमल मेश्राम सहित बड़ी संख्या में भामसं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूनतम दर के कारण दबाव में नगर पालिका

निविदा प्रपत्र खुलने के एक महीने बाद भी नपा में कार्रवाई सिफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

हाईकोर्ट के आदेश बाद निविदा प्रक्रिया में शामिल करने और निविदा प्रपत्र खुलने के एक महीने बाद भी नगर पालिका द्वारा अग्रिम कारवाई में विलंब को लेकर ठेकेदार ने कलेक्टर चंद्रकांत वर्मा को ज्ञापन सौंपकर प्रक्रिया प्रारंभ करने नपा को निर्देशित करने की मांग की है।

हक इंटरप्राइजेस के अनिमेष सिंह ने कहा कि नपा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग से तीन करोड़ के आसपास की राशि से शहर के बीसो वार्डों में 57 काम होना था जिसके लिए नपा प्रशासन ने बकायदा निविदा आमंत्रण सूचना का प्रकाशन कर कार्य एजेंसियो को आमंत्रित किया था, लेकिन बदले हुए घटनाक्रम में कतिपय भाजपा पार्षद पतियों के दबाव में आकर उन्हें निर्धारित तिथि को पूरे समय नपा कार्यालय मे मौजूद रहने के बाद भी निविदा फार्म नही दिया गया हालाकि निविदा फार्म आबंटन के लिए उनके द्वारा एक सप्ताह पहले ही नपा को आवेदन दे दिया गया था।

हाईकोर्ट के आदेश पर मिला निविदा फार्म

हक इंटरप्राइजेस के अनिमेष सिंह द्वारा नाइंसाफी को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर नपा प्रशासन की पूरी प्रक्रिया को गैरवाजिब बताते हुए हाईकोर्ट ने निविदा फार्म देने और जमा करने के लिए नपा को आदेशित किया जिसके बाद उनकी फर्म हक इन्टरप्राईजेस को निविदा प्रपत्र 4 सितंबर को दिया गया और निविदा प्रपत्र जमा व खोलने की तारीख 12 सितंबर तय की गई उक्त तारीख में उनके द्वारा निविदा में शामिल होने के बाद उनके और अन्य लोगों की मौजूदगी में निविदा कमेटी ने निविदा खोला जिसमें उनके द्वारा कार्य अनुसार भरी गई सभी दरे अन्य ठेकेदारों की तुलना में न्यूनतम पाई गई है, लेकिन उक्त निविदा खोलने के एक महीने बाद भी कार्य प्रारंभ करने या अन्य किसी प्रक्रिया को लेकर नपा ने अग्रिम कारवाई नही की है। अनिमेष सिंह ने कहा कि निविदा खुलने के बाद निर्धारित समयावधि मे शेष कारवाई की जानी चाहिए, लेकिन नपा प्रशासन एक महीने से मामले मे चुप्पी साधे हुए है। कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन मे अनिमेष सिंह ने कहा कि अविलंब अग्रिम कारवाई नही करने की स्थिति मे वो दुबारा हाईकोर्ट मे दस्तक देकर न्याय मांगेगे जिसकी समस्त जवाबदारी नपा प्रशासन की होगी। जिला कलेक्टर के अलावा फर्म संचालक ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव, संचालक, संयुक्त संचालक और नपा अध्यक्ष को ज्ञापन की प्रतिलिपि सौपकर अग्रिम कारवाई प्रारंभ कराने की मांग की है।

यह है मामला

केंद्र सरकार के पंद्रहवें वित्त आयोग द्वारा तीन करोड़ से उपर की राशि मे शहर विकास को लेकर 57 कामों की स्वीकृति मिली थी जिसका टेंडर फार्म 13 अगस्त को देना था, लेकिन कतिपय महिला पार्षदों के पतियों ने चुनिंदा ठेकेदारों को 2 करोड़ 39 लाख रुपयों के अलग अलग 57 कामो को रिंग बनाकर बांट दिया था और सीएमओ से सांठ गांठ कर टेंडर फार्म जारी करने की तिथि 13 अगस्त को पूरे दिन गोल मोल कहानी बनाते रहे। करीबियों को काम देने की नीयत से पूरे दिन किसी ठेकेदार के नाम से निर्धारित शुल्क की रसीद नहीं काटी और नहीं फार्म दिया। देर रात सीएमओ ने प्रभारी कर्मचारी को घर बुलाकर एक दर्जन से ऊपर ठेकेदारों के नाम का रसीद कटवाया और उसके ठेकेदारों को टेंडर फॉर्म जारी किया। टेंडर फॉर्म से वंचित ठेकेदारों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी जहा सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नपा प्रशासन को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि यह उनके घर की खेती नहीं है कि जैसा मन चाहे वैसा करें। जिसके बाद कोर्ट ने 48 घंटों के भीतर याचिकाकर्ताओं को टेंडर फार्म रिलीज करने का आदेश दिया था, लेकिन अब निविदा प्रपत्र खुलने के एक महीने बाद भी नपा की लेट लतीफी से परेशान ठेकेदार ने ज्ञापन सौंपा है।

पारधी परिवार के आतंक से कुकुरमुड़ा गांव परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

पारधी परिवार की हरकतों से परेशान ब्लाक के कुकुरमुड़ा के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

सरपंच लक्ष्मी वर्मा, जगदीश पाल, खोरबहरिन, भागबती बाई, अंजलि बाई, मोहिनी बाई सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बीते कुछ सालों से पारधी परिवार निवास करते आ रहा है, लेकिन उनमें से एक ही परिवार के चार सदस्य लगातार चोरी और मनाही करने पर मारपीट कर फंसा देने की धमकी दे रहे है। कलेक्टर चंद्रकांत वर्मा के पास फरियाद लेकर पहुचे ग्रामीणों ने बताया कि पारधी परिवार रात के अंधेरे में बाहर से आपने बाहर गांव में रहने वाले रिश्तेदारों को बुलाकर गांव में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे है।

ग्रामीण कर रहे रातभर पहरेदारी

बुलंद हौसलों के साथ चोरी करते पकड़े जाने या शिकायत करने पर अपने कच्चे घरों में आगजनी की घटना को अंजाम देकर दर्जनभर से ज्यादा ग्रामीणों को झूठे मामलों में फंसा चुके है। सामान चोरी होने से बचाने उन्हें बारह-बारह का ग्रुप बनाकर रात भर पहरेदारी करनी पड़ रही है। ढाई एकड़ से उपर सरकारी जमीन पर बेजा कब्जा कर फसल लगा दिए है जिसके कारण मवेशियों के अलावा निस्तारी की समस्या भी हो रही है। आतंक से परेशान ग्रामीणों ने एक ही पारधी परिवार के चार सदस्यों का नाम बताते हुए उन्हें गांव से बेदखल करने की फरियाद कलेक्टर और एसपी से की है।

छात्रों को बताया जीवन का महत्व

डोंगरगांव। हाईस्कूल चारभाठा में अखिल विश्व गायत्री परिवार के जिला समन्वयक जयप्रकाश सिन्हा ने छात्रों को सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन दिया। माइंड, मनी एवं मोबाइल के सदुपयोग पर प्रकाश डाला। जीवन में नशा नहीं करने तथा बुरी संगति से बचने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों को जीवन का महत्व बताते हुए पांच लक्षणों को सरल शब्दों में समझाया। प्रतिदिन योग, ध्यान एवं प्राणायाम करने प्रेरित किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती एम गोस्वामी, एमके चंद्राकर, एसपी भुआर्य, प्रीतम दुबे, आरए, इंदु कोलियारे उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव कार्यशाला आयोजन को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

छग शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव कार्यशाला अंतर्गत रानी रश्मिदेवी सिंह कालेज मे

- रानी रश्मिदेवी सिंह कालेज में बैठक आयोजित

जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान विषय पर 25 अक्टूबर तक चलने वाले आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। कार्यक्रम संयोजक प्रो भबीता मंडावी, सहसंयोजक प्रो मोनिका जत्ती, प्रो सतीश कुमार, छात्रसंघ प्रभारी जेके वैष्णव, प्रो मनीषा नायक, सामाजिक कार्यकर्ता सुलेखा कुजूर की उपस्थिति मे आयोजित बैठक में देश के जनजातीय नायकों की वीरगाथा, जनजातीय कला व संस्कृति विषय पर भाषण, चित्रकला, रंगोली, मेंहदी, प्रदर्शनी, नृत्य, नाटक, गायन जैसी प्रतियोगिताओ के आयोजन को लेकर सहमति बनी।

छात्रसंघ प्रभारी जेके वैष्णव ने जनजातीय क्रांतिकारियों का स्वतंत्रता संग्राम और समुदाय उत्थान में बिरसा मुंडा के योगदान की जानकारी देते हुए कहा कि जनजातियो की गौरव गाथा से हर व्यक्ति को परिचत होना चाहिए। रानी रश्मिदेवी सिंह कालेज व नवीन कन्या कालेज के संयुक्त तत्वावधान में भाषण प्रतियोगिता में कन्या कालेज से श्रद्धा वर्मा प्रथम, अल्फिया मेमन द्वितीय, दुर्गा धुर्वे तृतीय रहे। चित्रकला में मुस्कान प्रथम, तान्या सोनवानी, पल्लवी यादव द्वितीय, प्रीति वर्मा तृतीय रहे। रानी रश्मिदेवी कालेज से भाषण प्रतियोगिता में देवेन्द्र पटेल प्रथम, सोहन साहू द्वितीय, वसु वर्मा तृतीय रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में लावण्या सोनी, सिद्धिका निषाद द्वितीय, देवाशीष यदु, वन्दना वर्मा तृतीय रहे। बैठक का संचालन प्रो. भबीता मंडावी और आभार प्रदर्शन प्रो मोनिका जत्ती ने किया। 24 अक्टूबर को मंचीय कार्यक्रम मे सभी प्रतिभागी व विजयी छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

शिक्षकों ने हक के लिए उठाया आवाज

कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मोहला

छतीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी को मुख्यमंत्री, शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा है।

सौंपे गए ज्ञापन में मोदी की गारंटी के तहत सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति दूर कर समस्त एलबी सवर्ग को क्रमोन्नत वेतनमान देने, समतुल्य वेतनमान का सही निर्धारण, प्रथम नियुक्ति से सेवा गणना कर पुरानी पेशन निर्धारित करने, 20 वर्ष की सेवा पर पेंशन का प्रावधान, उच्च न्यायालय के निर्णय अनुसार पात्र एल बी सवर्गो के शिक्षको को क्रमोन्नति/समयमान का लाभ, एक जनवरी 2024 से 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता, जुलाई 2019 से देय तिथि पर महंगाई भत्ते की राशि का समायोजन जीपीएफ- सीजीएफ खाता में करने की मांग रखा है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मोर्चा के जिला संचालक श्रीहरी, शिवेंद्र यादव, जितेंद्र पटेल, बाबूलाल लाडे, मनोज देशमुख, राममणि द्विवेदी, रूपेंद्र नन्दे, ललिता कन्नौजे, हिमेश्वरी देवांगन, वीरेंद्रपाल लाडेश्वर, देवशंकर तारम, सुनील कुमार शर्मा, शेखर ठाकुर, लोकेश कुमार ठाकुर, रश्मि श्रीवास्तव, मनोज यदु, शिव कुमार साहू, दिनेश सिंह, पीला लाल देशमुख, नरेंद्र सिंह, खिलेंद्र साहू, राकेश देशमुख, नूतन साहु, राकेश देवांगन, मलेश मालेकर, आशीष वर्मा,आरती मेश्राम, भागवत पडोटी, राजेंद्र ठाकुर, पवन ठाकुर, संजीव सावलकर, चुरामनदास मार्गे सहित अन्य उपस्थित थे।

कॉलेज में अतिथि व्याख्यान और ग्रंथपाल जेके वैष्णव का सम्मान

- काव्य शास्त्र विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

रानी रश्मिदेवी सिंह शासकीय महाविद्यालय के एमए हिंदी विभाग में महर्षि वाल्मिकी जयंती पर भारतीय काव्य शास्त्र विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित हुआ। मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण बाद दीप प्रज्ज्वलित कर अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्य वक्ता इंदिरा कला संगीत विवि की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ देवमाइत मिंज ने भारतीय काव्य शास्त्र के रस सिद्धांत को सरलता से प्रस्तुत करते हुए विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य की चिंतन की प्रवृत्ति में रजो गुण, तमो गुण, सतो गुण के कारण ही कला व साहित्य के उद्भव होता है।

प्रो यशपाल जंघेल ने हिंदी साहित्य के अध्ययन में भारतीय काव्यशास्त्र के महत्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने ग्रंथपाल जेके वैष्णव के शहडोल जिले से स्थानांतरण बाद 34 सालो से कालेज में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान, सरल स्वभाव को रेखांकित किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने अक्टूबर 24 में सेवानिवृत्त होने वाले ग्रंथपाल जेके वैष्णव को बैच लगाकर, प्रतीक चिन्ह और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्रंथपाल जेके वैष्णव ने सेवा अवधि में संगीत नगरी के संस्कारित छात्र छात्राओं के अनुशासनात्मक व्यवहार को लेकर आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ मेधाविनी तुरे, डॉ उमेंद चन्देल सहित एमए हिंदी विभाग के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन डॉ उमेंद चंदेल और आभार प्रदर्शन प्रो यशपाल जंघेल ने किया।

सांसद संतोष पांडेय की अनुशंसा पर मिली स्वीकृति

शहर विकास के लिए मिला तीन करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

लोकसभा सांसद संतोष पांडेय की अनुशंसा पर नपा परिषद को 2 करोड़ 98 लाख 42 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति नगरीय प्रशासन मंत्रालय ने प्रदान की है। उपमुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने 21 अगस्त को प्रत्येक नगरपालिका को वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना मद अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के लिए तीन तीन करोड़ की अनुदान राशि स्वीकृति की घोषणा की है। इसी कड़ी में 55 काम के लिए अधोसंरचना मद से 298.42 लाख की अनुदान स्वीकृति मिली है। स्वीकृति को लेकर जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष घम्मन साहू, नपा अध्यक्ष गिरिजा नंद चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि नपा राकेश गुप्ता, मंडल भाजपा अध्यक्ष व पार्षद विनय देवांगन, नपा उपाध्यक्ष रज्जाक खान, पार्षद टिकेश्वरी पटेल, शैलेन्द्र वर्मा, दिलीप सिंह राजपूत, सुमीत टांडिया, सुमन दयाराम पटेल, मोनिका रजक, अजय जैन, रेखा गुप्ता, दीपक देवांगन, त्रिवेणी देवांगन, रूपेंद्र रजक, पुरुषोत्तम वर्मा, देविन कोठले, शत्रुघ्न धृतलहरे, पुष्पा सिंदूर, चंद्रशेखर यादव, दिलीप लहरे सहित समस्त जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव व सांसद संतोष पांडेय का आभार व्यक्त किया है।

वार्ड चार सामुदायिक भवन में बाउंड्रीवॉल निर्माण 7.36 लाख, वार्ड 11 मणिकंचन केन्द्र में बाउंड्रीवॉल निर्माण 8.70 लाख, वार्ड 10 मे सांस्कृतिक मंच 4.43 लाख, वार्ड 03 जांगड़े पटवारी के घर से राजकुमारी मैडम के घर तक सीसी रोड 5 लाख, जांगड़े पटवारी के घर से योगेन्द्र जडेजा के घर तक आरसीसी नाली 5 लाख, वार्ड तीन भागवत शरण सिंह के घर से गंजीपारा रोड तक आरसीसी नाली 5 लाख, वार्ड 6 केवरी रजक के घर से राधे देवांगन के घर तक सीसी रोड 2.27 लाख, वार्ड 9 सत्यम गारमेंट से नाला तक नाली निर्माण 1.61 लाख, वार्ड 10 मे मेन रोड से गौशाला तक सीसी रोड 10 लाख, वार्ड 11 विमल श्रीवास्तव के घर से पन्ना कोसरे के घर तक सीसी रोड 1.83 लाख, वार्ड 12 राजीव चंद्राकर के घर से मुख्य नाला तक आरसीसी नाली 3.02 लाख, वार्ड 13 देवारीभाठ रोड से मेहतर दास के घर तक सीसी रोड 5.90 लाख, वार्ड 14 भूपेन्द्र गौकर के घर से कुमार भोंडेकर के घर तक सीसी रोड 5.68 लाख, भुजबल टंडन के घर से राजकुमार के घर तक सीसी रोड 1.83 लाख, नारद कोठले के घर से मानिकलाल कोसरे के घर तक सीसी रोड 4.10 लाख, सरस्वती मंच से नदी तक सीसी रोड 4.26 लाख, वार्ड 09 मंगल सारथी के घर से मुख्य मार्ग तक सीसी रोड 3.35 लाख, वार्ड 03 मे मिनी उद्यान निर्माण 5 लाख, वार्ड 1 कबीर कुटीर से अरुण वर्मा के घर तक नाली निर्माण 8.82 लाख की स्वीकृति शासन ने दी है। वार्ड 04 में 6.37 लाख, वार्ड 07 जय स्तंभ चौक में 6.37 लाख, वार्ड 9 इतवारी बाजार में 6.37 लाख की लागत से हाईमास्क लाइट लगाया जाएगा। वार्ड 19 टिकरापारा में सामुदायिक भवन निर्माण 10 लाख, वार्ड 20 सिविल लाइन में सामुदायिक भवन निर्माण 10 लाख के अलावा वार्ड 17 में सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 5 लाख रूपयों की स्वीकृति मिली है।

सीसी रोड और आरसीसी नाली का बिछेगा जाल

सांसद प्रतिनिधि भागवत शरण सिंह ने बताया कि वार्ड 3 गायत्री नगर विष्णु यादव के घर से लच्छू यादव के घर तक सीसी रोड 2.75 लाख, मोंगरा पुलिया से लेकर सुरेश भट्ट के मकान तक आरसीसी नाली 5 लाख, पुल से लेकर राजकुमारी ठाकुर के मकान तक सीसी रोड 7.30 लाख, वार्ड चार 4 सूर्यदमन सिंह के घर से दुलेश्वर सिंह के घर तक सीसी रोड 3.25 लाख, राधा कृष्ण मंदिर सामने सीसी रोड 3.25 लाख, राजेन्द्र गहरवार घर बाजू सीसी रोड 1 लाख, वार्ड पांच जमातपारा मे गणेश रजक के घर से नदी तक सीसी रोड 4.35 लाख, वार्ड नौ मे बजरंग होटल के पीछे से नदी तक सीसी रोड 2.60 लाख, वार्ड 11 किल्लापारा मे लोकेश यादव के घर के सामने से तामकार के घर तक सीसी रोड 0.85 लाख, वार्ड 12 अमलीपारा मे सुखउ के घर से आलोक वर्मा के घर तक सीसी रोड 11.75 लाख, कीर्तन साहू के घर से ठाकुर राम के घर तक सीसी रोड 19.11 लाख, वार्ड 13 रेखा वर्मा के घर से देवारीभाठ रोड तक सीसी रोड 3.25 लाख, वार्ड 16 सुखेन्द्र निषाद के घर से हेमन बाई के घर तक सीसी रोड 5.90 लाख, दीनदयाल के घर से सुखमा के घर तक सीसी रोड 7.87 लाख, मोहन के घर से नदी तक सीसी रोड 11.75 लाख, वार्ड 17 मे फूलसिंग देवांगन के घर से दुर्गा मंच तक सीसी रोड 5.55 लाख, वार्ड 18 भागाबाई के होटल से संदीप देवार के घर तक सीसी रोड 4.27 लाख, शिव मंदिर रोड से अर्जुन वर्मा के घर तक सीसी रोड 4.88 लाख, समीर कुरैशी के घर से अरिहंत आटो तक आरसीसी नाली 1.62 लाख, वार्ड 10 किशोर सिंह के खेत से देव सिंह वर्मा के खेत तक नाली निर्माण 4.50 लाख, जोशी के घर से कैलाश के घर तक सीसी रोड 3.94 लाख, संजय रजक के घर से पावर हाऊस नदी तक सीसी रोड 6.56 लाख, संजीत के घर से मेन रोड तक नाली निर्माण 2.10 लाख, भागचंद जोशी के घर से विनोद यादव के घर तक पेवर ब्लाक काम 1.72 लाख, वार्ड 06 नरेश पांडेय के घर से नाला तक नाली निर्माण 5.75 लाख, वार्ड 06 अखलेश पटेल के घर से चौक तक नाली निर्माण 15.32 लाख, वार्ड 14 भुजबल टंडन के घर से राजकुमार के घर तक सीसी रोड 1.63 लाख, वार्ड 07 किशन पेंटर के दुकान के सामने सीसी रोड निर्माण कार्य 1.07 लाख, ललित ज्वेलर्स पास सीसी रोड निर्माण 1.07 लाख, वार्ड 20 कलेक्टर बंगला से पिपरिया जलाशय आफिस तक नाली निर्माण 11.12 लाख रूपयो की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है।

झेरिया यादव समाज की बैठक 20 को

राजनांदगांव। झेरिया यादव समाज संयुक्त जिला राजनंदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं चौकी-मोहला-मानपुर का सामाजिक बैठक 20 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे यादव सामुदायिक भवन डोंगरगांव में आयोजित की गई है।

ज्योतिषराम यादव संयुक्त जिलाध्यक्ष, सेवकराम यादव प्रदेश संगठन सचिव एवं जिला महामंत्री, भारत यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पन्नालाल यादव अध्यक्ष डोंगरगांव, गुरुदेव यादव, विष्णुराम यादव अध्यक्ष, शत्रुहन यादव अध्यक्ष छुरिया, शिवकुमार यादव अध्यक्ष राजनीतिक प्रकोष्ठ ने बैठक में सभी जिला के पदाधिकारीगण, सभी परिक्षेत्र के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों से उपस्थित होने की अपील की है। बैठक में आगामी दीपावली मिलन समारोह के आयोजन के साथ-साथ सामाजिक विषयों पर नीतिगत निर्णय लिया जाएगा।

निधन

कमल किशोर गांधी

राजनांदगांव। गंज मंडी व्यापारी समिति व गंज मंडी दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष कमल किशोर गांधी का आज सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार लखोली स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे अपने पीछे भाई पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, भीखम, हरीश गांधी तथा सुपुत्र सागर गांधी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए।

मस्तिष्क, नस एवं स्पाइन
राजनांदगाव रोग विशेषज्ञ
में उपलब्ध
महीने के प्रत्येक शनिवार
दोप. - 3:30 बजे से 4:30 बजे तक
राजनांदगांव मेडिकोज, सतनाम भवन न्यू बस स्टैंड के पास
7869899833, 8871626367
डॉ. कुलदीप सिंह
Dr. Kuldeep's BRAIN AND SPINE CLINIC
24x7 EMERGENCY SERVICE
CALL- 6261500981
MBBS , MS , Mch (Neuro)
प्रतिदिन उपलब्ध
शिवाय मेडिकोज डॉ. बघेल पॉलीक्लिनिक के सामने न्यू बस स्टैंड दुर्ग

समक्षः-न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव (छ.ग)

ज्ञापन

व्य.वाद प्र.क्र. 583/ 2024 श्रवण तिथि 11/11/2024
प्रोसेस नम्बर :- 259/24

पी. राजाराव वगैरह आवेदक/वादी
// **विरुद्ध** //
वी. लावन्या वगैरह अनावेदक/प्रतिवादी

बनाम- आम जनता, जिस किसी का हित हो

वादीगण के द्वारा वी. लावन्या वगैरह के विरूद्ध इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। वादी के पिता स्व. पी.वी. राव की मृत्यु दिनांक 31.10.2017 को डोंगरगढ़ में हो गई है। उनकी अचल संपत्ति बधियाटोला वार्ड नं. 06 डोंगरगढ़ में स्थित है। उक्त भूमि पर स्व.पी.वी. राव के सभी वारिसों का नाम शामिल शरीक रूप में दर्ज है। स्व. पी.वी. राव के पुत्र पी. हरिशंकर दिनांक 23.03.2004 को घर से कहीं चला गया है तथा आज पर्यन्त घर वापस नही आया है। इस कारण वादीगण गुमशुदा पी. हरिशंकर की सिविल डेथ की घोषणा तथा उपरोक्त वर्णित अचल संपत्ति से उसका अधिकार व हक समाप्त होने की घोषणा करवाना चाहते है। अतः आपत्ति ईस्तहार का प्रकाशन किया जा रहा है, तथा अपेक्षा की जा रही है कि जिस किसी को आपत्ति हो, न्यायालय में पेशी दिनांक 11/11/2024 को प्रातः 11:00 बजे आवेदन का उत्तर देने के लिए, इस न्यायालय मे स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा हाजिर हो सकते है जिन्हे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस दावे संबंधित सारवान तथ्यो का उत्तर दे सके, या जिसके साथ कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सके, आपको यह भी निर्देश दिया है कि आप उस दिन सभी दस्तावेजो को पेश करे जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है।

आप को सूचित किया जाता है कि आप अथवा आपका प्लीडर उपर बताई तारीख को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होंगे तो दावे की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति मे किया जावेगा, यदि किसी कारणवश उक्त पेशी तारीख को सार्वजानिक अवकाश घोषित किया जाता है या यदि किसी कारणवश कार्य स्थगित किया जाता है तो अगले कार्यदिवस पर प्रकरण की सुनवाई की जावेगी।

अतः आज तारीख 15/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

(शैलेश कुमार वशिष्ट)
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी
डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

मुहर

आयोजनों के लिए दे रहे हैं मैदान, तो सड़क पर खेलने मांगी अनुमति

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शहर के बीच दो प्रमुख खेल मैदान को विभिन्न आयोजनों के लिए दिए जाने का विरोध यहां के खिलाड़ी लगातार कर रहे हैं। इसके बावजूद इन मैदानों को आयोजनों के लिए दिया जा रहा है। जिससे आक्रोशित खिलाड़ी आज फुटबॉल लेकर कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचे और अपना विरोध जताया।

शहर के म्युनिसिपल स्कूल और स्टेट स्कूल मैदान में प्रतिदिन खिलाड़ी अपनी प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन इन मैदानों को विभिन्न आयोजन के लिए दिए जाने के चलते उनकी प्रैक्टिस प्रभावित होती है। वहीं मैदानों की दुर्दशा भी हो जाती है। जिसको लेकर खिलाड़ियों ने पहले भी विरोध किया था, लेकिन इसके बावजूद इन दोनों मैदानों को आयोजनों के लिए दिया जा रहा है। आज खिलाड़ियों ने कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन के माध्यम से इन मैदानों को सिर्फ खेल के आयोजन के लिए आरक्षित करने कहा है और अन्य आयोजनों को कहीं और करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मदन यादव, कदीर अंसारी, शासंक सोनी सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

खेल मैदान में आयोजन का विरोध, फुटबॉल लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे खिलाड़ी

फटाका दुकान का विरोध

दीपावली त्यौहार के समय शहर के म्युनिसिपल स्कूल मैदान में लगाए जाने वाले फटाका दुकानों का भी खिलाड़ियों ने विरोध करते कहा है कि इन दुकानों की वजह से खिलाड़ियों की प्रैक्टिस नहीं हो पाती है। वहीं ग्राउंड को भी नुकसान पहुंचता है। कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचे शहर के खिलाड़ियों ने कहा है कि इस वर्ष फटाका दुकान स्टेट और म्युनिसिपल स्कूल ग्राउंड में ना लगाते कहीं और लगवाया जाए।

राजनांदगांव की पहचान खेल से

खेल मैदानों की आयोजनों से हुई दुर्दशा के मामले में प्रदेश हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने कहा कि राजनांदगांव की पहचान खेलों से है और प्रशासन आयोजनों के लिए खेल मैदान दे रहे हैं। आने वाला 4 माह खेलों के आयोजन के लिए है, तो इसे खेल के लिए आरक्षित रखना चाहिए।

सड़क पर खेलने की अनुमति दे प्रशासन

खेल मैदानों को आयोजन के लिए दिए जाने का विरोध करते जिला फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मदन यादव ने कहा कि मैदान खिलाड़ियों के लिए है, अगर इसे आयोजन में दिया जा रहा है तो फिर खिलाड़ियों को शहर के ईमाम चौक और मानव मंदिर चौक में खेलने की अनुमति दी जाए।

शरद पूर्णिमा पर बर्फानी धाम में आयोजन

खीर प्रसादः रातभर मां के दरबार में लगा रहा श्रद्धालुओं का मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

बर्फानी सेवाश्रम समिति द्वारा बर्फानी आश्रम परिसर में शरद पूर्णिमा 16 अक्टूबर की रात्रि में हजारों श्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को जड़ी बुटीयुक्त खीर प्रसाद का निःशुल्क वितरण किया गया। जिसमें अंचल सहित देशभर से हजारों की संख्या में पीड़ति यहां पहुंचे थे। इसके अलावा लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने की दृष्टिकोण से छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध लोक कलामंच स्वरधारा ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया।

संस्था के सचिव गणेश प्रसाद शर्मा 'गन्नू' ने बताया कि बर्फानी आश्रम में संस्था द्वारा जनकल्याण के तहत श्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को पिछले 28 वर्षों से दुर्लभ जड़ी बुटियां एकत्रित कर पौराणिक मान्यताओं अनुसार जड़ी बुटीयुक्त खीर प्रसादी तैयार कर पीड़ितों को ब्रम्हमुहूर्त में वितरित की जाती है। इस वर्ष भी संस्था द्वारा 16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा पर खीर प्रसाद तैयार करवाया गया था, जिसे शरद पूर्णिमा की रात्रि अमृतरूपी बूंदों से प्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं को ब्रम्हमुहूर्त पर मां पाताल भैरवी सहित परमपुज्य गुरुदेव श्री बर्फानी दादा की पूजन आरती पश्चात निःशुल्क वितरित किया गया, जो सूर्योदय पश्चात तक चलता रहा।

लोक कलामंच स्वरधारा ने बांधा समां

लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने की दृष्टिकोण से इस वर्ष भी मनोरंजन के भरपूर रहने वाली एवं कर्मा, ददरिया, सुआ, पंथी के साथ ही हास्य व्यंग्य के प्रहसन प्रस्तुत करने वाली छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोककला संस्था स्वरधारा द्वारा संचालक विष्णु कश्यप के निर्देशन में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर रातभर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते रहे। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के तहत छत्तीसगढ़ महतारी व राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत भारत माता के ऊपर शानदार प्रस्तुति से लोगों को अपने ओर आकर्षिक किया।

पड़ोसी राज्यों से पहुंचे थे पीड़ित

इस बार भी छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल, उड़ीसा, राजस्थान, आंध्रप्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड सहित देश के अन्य हिस्सों से भी पीड़तिजन जड़ी बुटीयुक्त प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे थे। खीर प्रसाद को मध्य रात्रि के पूर्व खुले आसमान के नीचे रखा गया और ब्रम्हमुहूर्त पर माता को प्रसाद अर्पित कर पीड़ितों को वितरित करने का क्रम प्रारंभ हुआ, जो सूर्योदय पश्चात तक चलता रहा। संस्था द्वारा 30 हजार से भी अधिक श्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को जडी बुटीयुक्त खीर प्रसाद का वितरण किया गया।

प्रशासन, पुलिस व निगम का भी मिला सहयोग

संस्था द्वारा सन 1997 से प्रारंभ किए गए मानव सेवा एवं जनकल्याण के तहत शरद पूर्णिमा पर आयोजित आयोजन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व नगर निगम से भी सहयोग प्राप्त हुआ। पुलिस विभाग द्वारा रात्रिभर सुरक्षा की दृष्टिकोण से विशेष दल लगाकर आयोजन स्थल व मार्ग पर विशेष निगरानी भी रखी गई थी।

नाटक ''सरबजीत'' का 20 को मंचन

राजनांदगांव। पंजाब की सौंधी मिट्टी की खुशबू को छत्तीसगढ़ की धरा पर बिखेरने स्थानीय राजनांदगांव थियेटर ग्रुप के कलाकार नाटक सरबजीत का मंचन 20 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम गौरव पथ में करने जा रहे हैं। यह नाटक सत्य घटना पर आधारित है। जिसकी लेखिका उत्कर्षनी विशिष्ठा है तथा नाटय रूपांतरण व निर्देशन शहर के प्रसिद्ध रंगकर्मी रितेश सिंगाडे ने किया है। नाटक की अवधि 1 घंटा की है। साथ ही इस नाटक में कुल 15 पात्र हैं, जो विभिन्न किरदारों में आपको नजर आएंगे।

राजनांदगांव शहर के इतिहास में यह पहली बार होगा कि पंजाबी और हिंदी के संवादों का मिश्रण नाटक सरबजीत में देखने मिलेगा। नाटक सरबजीत आगामी दिनों में केरल, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और असम जैसे प्रदेशों में राजनांदगांव कला संस्कृति की छवि छोड़ेगा।

नाटक सरबजीत के निर्देशक रितेश सिंगाडे ने बताया कि इसके पूर्व भी राजनांदगांव थियेटर ग्रुप के कलाकारों द्वारा ''जब मैं सिर्फ औरत होती हूँ'' नाटक का मंचन किया गया, जिसे दूसरे राज्यों में भी प्रस्तुत कर कई पुरस्कार अर्जित किए हैं और दर्शकों की वाहवाही लूटी है। यह नाटक इंसानियत की मिशाल भी पेश करता है। नाटक सरबजीत बेबस बहन के संघर्षों की कहानी है।

पावर लिफ्टिंग में अंजू को मिला सिल्वर मेडल

राजनांदगांव। ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स वेट लिफ्टिंग क्लस्टर 2024 का आयोजन इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 23 सितंबर से 27 सितंबर तक भिलाई में आयोजित कराया गया। इस कलस्टर में वेट लिफ्टिंग, पॉवर लिफ्टिंग एवं योगा की प्रतियोगिता में देश के 29 पुलिस टीमों ने भाग लिया।

पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ पुलिस जिला राजनांदगांव से महिला प्रधान आरक्षक अंजू सिंह ने 76 किलो ग्राम समूह में कुल 380 किलो वजन उठाकर सिल्वर मेडल हासिल किया। ज्ञात हो कि अंजू सिंह पिछले 3 सालों से लगातार मेडल लेकर आ रही हैं । अंजू सिंह ने अपनी उपलब्धियों का श्रेय अपने पति एवं छत्तीसगढ़ पुलिस पॉवर लिफ्टिंग कोच असिस्टेंट कमांडेंट राकेश सिंह को दिया, जिन्होंने पारिवारिक दायित्वों के साथ-साथ उन्हें इस खेल का प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया। साथ ही पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा भी उन्हें समय-समय पर इस खेल हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

सम्मानित किया गया

इस खेल में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने उन्हें अपने कार्यालय में सम्मानित किया गया तथा उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की और खेल में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश ठाकुर एवं सहायक सेनानी राकेश सिंह भी उपस्थित थे।

अटारा गांव में नक्सली पर्चे-बैनर लगने से सनसनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

■ पुलिस मामले की जांच में जुटी

छुरिया क्षेत्र के ग्राम आटरा में नक्सलियों द्वारा बैनर एवं पर्ची चस्पा किए जाने का मामला सामने आने पर गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। पर्ची में गांव के बैठक में निर्णयों को लेकर चेतावनी भी दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छुरिया से लगभग 20 किमी दूर ग्राम आटरा में नक्सलियों द्वारा बैनर एवं पर्ची चस्पा किया गया। लंबे समय बाद ग्राम आटरा में नक्सलियों द्वारा बैनर-पर्चा चस्पा करने का मामला सामने आया है।

गांव के कुछ लोगों को पर्चा के माध्यम से चेतावनी दी गई है। जैसे ही पुलिस को इस बात की जानकारी हुई, पुलिस मौके पर पहुंचकर बैनर-पर्ची को जब्त किया।

पर्ची में कुछ लोगों को दी गई चेतावनी

गौरतलब है कि आईटीबीपी की दस्तक बाद नक्सलियों का गतिविधि पूरी तरह से बंद हो गया था, लेकिन लंबे समय बाद फिर से बैनर-पर्ची मिलने से नक्सलियों ने जंगल सीमा पर होने का एहसास करा दिया है। सीमा लगे होने के कारण नक्सलियों ने बैनर-पर्ची चस्पा कर कुछ लोगों को चेतावनी देते सुधर जाने की बात कही गई है। जिससे गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है। इधर पुलिस को गांव में मिले उक्त पर्ची-बैनर को लेकर भी संदेह है।

युवक से लूट के तीन आरोपी पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

रात के समय युवक से नगदी रकम लूट करने के मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रार्थी नितेश सोनी 27 साल निवासी कोठारपारा नंदई चौक थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव ने थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 11 अक्टूबर को वह अपने साथी देवा सोनकर के साथ पेंड्री ढाबा से खाना खाकर रात्रि में मोटर साइकिल से आ रहा था। रास्ते में देवा सोनकर की मोटर साइकिल का पेट्रोल खत्म हो जाने से मोहारा भठ्ठी के पास से वे गाड़ी को टोचन मारकर घर जा रहे थे । मोहारा बायपास के नीचे पहुंचे थे, तभी रात्रि करीबन 12.40 बजे दो मोटर साइकिल में चंद्रशेखर सिन्हा, विक्की रिजोरिया एवं रितेश यादव आए एवं प्रार्थी को पकड़कर जेब में रखे नगदी रकम 5800 रुपए को छीन लिए। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में आरोपियों के खिलाफ अपराध धारा 311 बीएनएस अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

आरोपियों से नगदी रकम बरामद

इस मामले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस गठित टीम द्वारा मुखबीर की सूचना पर आरोपी चंद्रशेखर सिन्हा, विक्की रिजोरिया और रितेश यादव से पूछताछ कर मेमोरंडम कथन के आधार पर लूट में प्रयुक्त मोटर साइकिल एवं नगदी रकम 5800 रुपए को बरामद कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन, उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव एवं समस्त थाना स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही।

online Booking:-www.tripuryatra.com
Individual & Group Tour
Honeymoon Tours
School Collage Tour
By Train-रिजर्वेशन कोच
06 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024, 20 दिसंबर से 01 जनवरी 2025
24 जनवरी से 05 फरवरी 2025, 21 फरवरी से 05 मार्च 2025
02 मार्च से 19 मार्च 2025
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
जनकपुर(सीता मईया का जन्म स्थल), सीतामणी, पशुपतिनाथ, लुम्बिनि (भगवानबुद्ध का जन्म स्थान), माँ मनोकामना देवी, पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव, डेविड फाल, विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (भोलेनाथ मंदिर, बुढ़ानिलकंड, सांघा), काठमांडू दरबार, भक्तपुर, गोरखनाथ मंदिर, अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), वाराणसी (काशी विश्वनाथ)
राशिः-स्लीपर 18500/- 3 एसी 27,500/-2 एसी 30,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D 36 Sector 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

छाया घना कोहरा, ठंड की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

अक्टूबर माह लगभग बीतने को है और अब ठंड का एहसास होने लगा है। मौसम में तड़के ठंडक बन रही है। वहीं दोपहर को गर्मी का एहसास भी हो रहा है। शहर में आज सुबह घना कोहरा छाया रहा। राजनांदगांव शहर में अब ठंड की शुरूआत होने लगी है। अब तक उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है। बीते कुछ समय से लगातार बदलते मौसम की वजह से इस वर्ष ठंड की शुरूआत व एहसास काफी देरी से हुआ है। आज सुबह शहर में घना कोहरे के साथ ठंड ने दस्तक दे दी है। सुबह लगभग 5 बजे शहर के फ्लाई ओवर और रेल मार्ग में 10 मीटर के बाद कुछ भी नजर नहीं आ रहा था। सड़क पर वाहन चालकों को काफी सावधानीपूर्वक वहां चलना पड़ा।

गर्मी से मिलेगी राहत

नवरात्र प्रारंभ होते ही ठंड की शुरूआत भी हो जाती है, लेकिन इस वर्ष दशहरा के बाद भी ठंड का आगाज नहीं हुआ था और दोपहर के वक्त अब भी उमस भरी गर्मी बनी हुई है। वहीं आने वाले एक सप्ताह बाद इस गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

चावल जमा करने में विलंब, तीन मिलर्स पर कार्रवाई

राजनांदगांव। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में कस्टम मिलिंग अंतर्गत चावल जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है। जिले में अब तक एफसीआई में 99842 मीट्रिक टन चावल तथा नागरिक आपूर्ति निगम में कुल 16067 मीट्रिक टन अरवा चावल जमा किया जाना शेष है। जिले में अब तक लगभग 76 प्रतिशत कस्टम मिलिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले के सभी राईस मिलर्स को कस्टम मिलिंग अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा के कार्य में प्रगति लाने तथा शेष 24 प्रतिशत चावल जमा कराने खाद्य विभाग के अधिकारी को सभी राईस मिल का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी ने बताया कि जिले के राईस मिलों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण में तीन राईस मिलों की जांच एवं भौतिक सत्यापन में धान व चावल की कमी पाई गई। कार्रवाई में मां परमेश्वरी राईस मिल चारभाठा डोंगरगढ़ से 800 क्विंटल धान एवं 1000 क्विंटल चावल, श्री श्याम इंडस्ट्रीज महराजपुर छुरिया से 500 क्विंटल धान एवं 1450 क्विंटल चावल तथा मेसर्स एमजे फूड प्रोडक्ट डोंगरगढ़ से 4000 क्विंटल धान एवं 1800 क्विंटल चावल कुल 6800 क्विंटल धान एवं 2750 क्विंटल चावल जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया और संबंधित राईस मिलर्स को नोटिस जारी कर प्रकरण न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

श्री चित्रगुप्त मंदिर में कन्याभोज व भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव। कायस्थ समाज राजनांदगांव पंजीयन क्र. 5410 के तत्वावधान में सभी पदाधिकारी एवं संरक्षकगणों की उपस्थिति में कायस्थ महिला मंडल द्वारा नवरात्रि पर्व पर श्री चित्रगुप्त मंदिर में कन्या भोज का आयोजन किया गया। श्री मंदिर के पुजारी द्वारा समस्त पूजन कार्य संपन्न कराए गए। तत्पश्चात सभी कन्याओं एवं बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन प्रसादी कराया गया एवं उपहार प्रदान किया गया। अगले दिवस महिला भजन मंडली (नवागांव) द्वारा कीर्तन व भजन का कार्यक्रम रखा गया था।

इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष सावित्री श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष विम्मी श्रीवास्तव, सचिव सीमा श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मालती श्रीवास्तव एवं कार्यकारिणी सदस्य सरला

श्रीवास्तव, निरूपमा श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, चंद्रिका श्रीवास्तव, स्वाति वर्मा एवं अन्य महिला सदस्य संध्या श्रीवास्तव, आरती श्रीवास्तव, शिखा श्रीवास्तव, पूजा श्रीवास्तव, साधना खरे, विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, चंद्रकली श्रीवास्तव, रितु श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, इंदू श्रीवास्तव, रामबाई श्रीवास्तव समेत कृष्णा श्रीवास्तव, सुरेंद्र श्रीवास्तव, रोहिणीकांत श्रीवास्तव, आनंदकुमार श्रीवास्तव, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, आदेश श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, गणेश श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, अभिनय श्रीवास्तव, आशीष वर्मा, नीरज श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी महिला मंडल की सचिव सीमा श्रीवास्तव ने दी।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
हरिभूमि समाचार पत्र को सर्वे कार्य हेतु 10 युवकों की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन हो, इच्छुक व्यक्ति संपूर्ण बायोडाटा के साथ तुरंत संपर्क करें।
योग्यता : 10वीं, 12वीं, स्नातक
वेतन 10,000+
बाहर के अभ्यर्थियों के लिए आवास की सुविधा
Resume Whatsapp करें
8319268069, 7489534456
हरिभूमि
ब्यूरो कार्यालय, दुर्गा चौक, राजनांदगांव

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

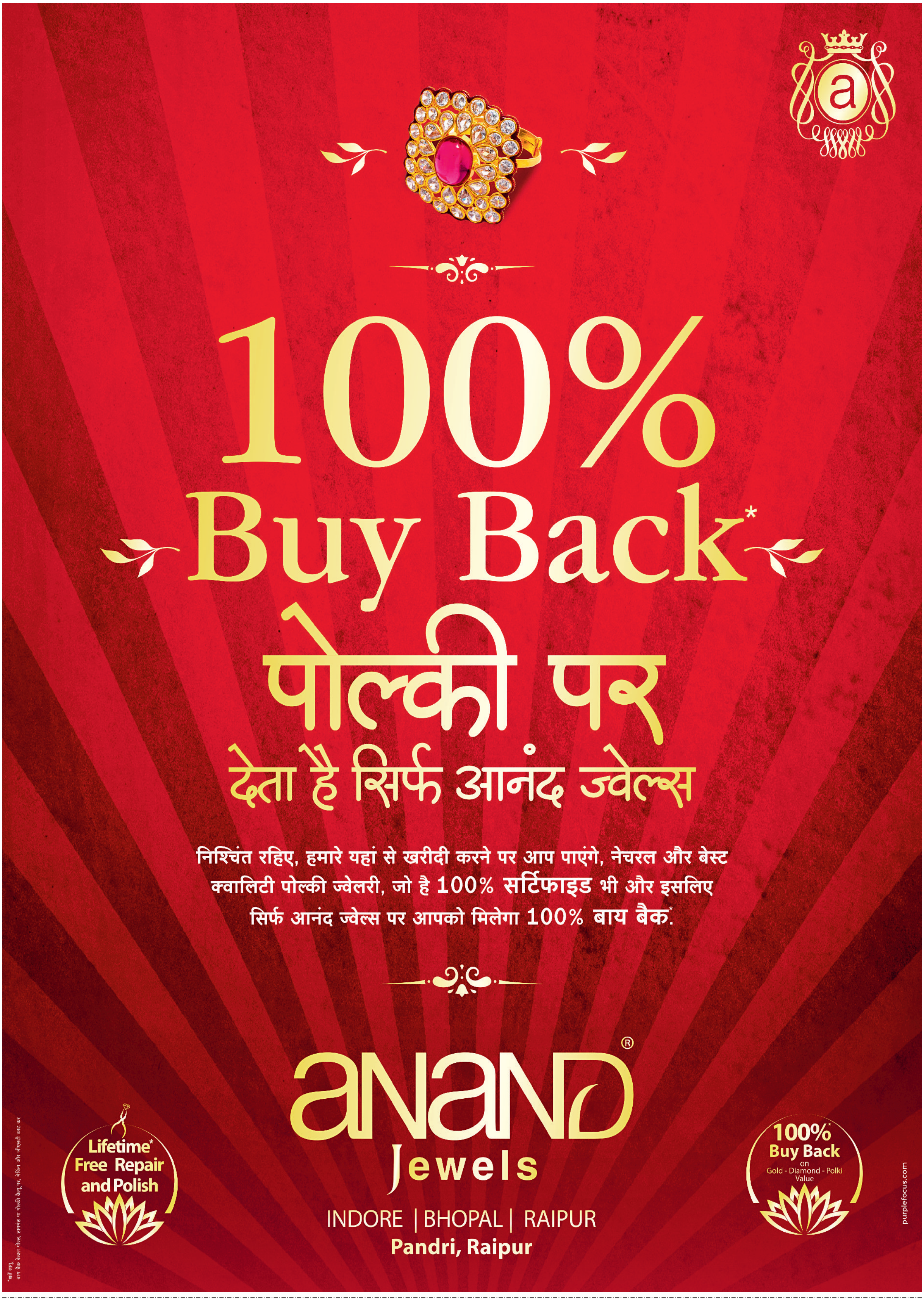

लेट्स प्ले / पूर्ति खरे

खेलें खेल
बनें एक्टिव-हेल्दी-हैप्पी

खेलना हर बच्चे को पसंद होता है। स्टडी और बाकी रूटीन-वर्क के साथ-साथ खेलना भी बहुत जरूरी होता है। खेलने से ताजगी तो मिलती ही है, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहता है। खेलना क्यों जरूरी है, इससे क्या फायदे हैं, जानो।

बच्चों, तुमने घर के बड़ों के मुंह से अकसर सुना होगा, 'स्वस्थ तन में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।' पढ़ाई और बाकी मेंटल एक्टिविटीज में एक्टिव रहने के लिए तुम्हारा फिजिकली फिट रहना बहुत जरूरी है। जब तुम कोई गेम, खासकर आउटडोर गेम खेलते हो तो इससे तुम्हारा शरीर फिट रहता है, साथ ही मानसिक विकास भी अच्छा होता है। इसके अलावा खेलने से दूसरे और भी कई लाभ हैं, तुम्हें इसकी भी जानकारी होनी चाहिए, ताकि तुम शारीरिक और मानसिक रूप से हमेशा स्वस्थ रहो।

उमंग-उत्साह का संचार: हमारा मन हमेशा उन कामों को करना चाहता है, जिसे करने में हमें खुशी मिलती है। खेल कुछ ऐसी ही एक्टिविटी है, जब भी हम कोई खेल खेलते हैं, हम उमंग-उत्साह से भर उठते हैं। इससे हमें एक पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। इससे हमारा कंसंट्रेशन अच्छा होता है, जो पढ़ाई में काम आता है, साथ ही अन्य दूसरी एक्टिविटीज में भी हम आगे बढ़ते हैं। यही वजह है कि आजकल स्कूलों में भी फिजिकल और मेंटल एक्टिविटीज को इंपॉर्टेंस दी जाती है।

बनते हैं डिसिप्लिंड-सेल्फ डिपेंड: खेल में सफल होने के लिए, एक डिसिप्लिन तो जरूरी है ही, साथ ही स्वयं के प्रयास भी बहुत जरूरी हैं, यही प्रयास हमें सेल्फ डिपेंड बनाते हैं। खेल में सफल होने के लिए, नियमित अभ्यास भी बहुत जरूरी है। जो खिलाड़ी इन तीनों बातों का पालन करता है, वह बेहतर प्रदर्शन करता है, सफल होता है। इस तरह खेल हमें सिखाते हैं कि सफल जीवन के लिए डिसिप्लिन, सेल्फ डिपेंडेंट और निरंतर अभ्यास बहुत जरूरी हैं।

पता चलता है संगठित शक्ति का महत्व: अधिकांश खेल समूह में खेले जाते हैं। प्रतियोगी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं, लेकिन वे अपनी टीम के प्रति सहयोगात्मक और समर्पित रहती हैं। खेल हमें सिखाते हैं कि जब हम संगठित होकर काम करते हैं, तो निश्चित ही हम श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतिस्पर्धा की भावना हमें श्रेष्ठ करने का जज्बा देती है: प्रतिस्पर्धा हमें दूसरों से आगे निकलने के लिए प्रेरित करती है। खेलों में यह भावना पूरी तरह से देखी जाती है। यह हमें सिखाती है कि जो आज अच्छा है, वह कल और बेहतर हो सकता है। यही भावना जीवन में भी लागू होती है, जो हमें बेहतर से भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है।

बढ़ती है मेंटल-फिजिकल एक्टिविटी: आजकल बच्चे सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव हैं, इससे उनकी सेहत और याददाश्त प्रभावित होती है। खेल शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सक्रियता प्रदान करते हैं, इससे सेहत और याददाश्त सुधरती है। खेल ना केवल तन को बल्कि मन को भी तंदुरुस्त रखते हैं। इस तरह शारीरिक सक्रियता के लिए खेलना जरूरी है।

हरेक खेल का है अपना महत्व: खेल के मैदान में खेले जाने वाले खेल हों या दिमागी खेल, हर खेल का अपना महत्व है। खेल जीवन को सक्रिय और दिलचस्प बनाते हैं। हर खेल हमें जीवन से जुड़ी कोई ना कोई सीख देता है। खेलों के माध्यम से हम समय का उपयोग बेहतर ढंग से कर सकते हैं, खुद को रिफ्रेश और अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। *

कुछ पुराने रोचक खेल

जब बात खेलों की चल ही रही है तो हम कुछ पुराने और परंपरागत खेलों को भी याद करें। ये खेल बहुत ही रोचक, दिलचस्प और मनोरंजक होते थे। बच्चों, जानो इन खेलों के बारे में।

घोड़ा दीवानशाही: यह एक समूह में खेला जाने वाला खेल है, जिसे बच्चे गोल घेरे में बैठकर खेलते हैं। किसी एक बच्चे के पीछे कपड़े का एक कोड़ा चुपके से रखा जाता है। अगर उसे कोड़े रखे जाने का पता नहीं चलता तो फिर उस पर कोड़े बरसाए जाते हैं।

गिल्ली-डंडा: बहुत ही पुराना खेल है गिल्ली-डंडा। इसमें गिल्ली को डंडे से उछालकर खेला जाता है।

चपेटा (गोटा): लड़कियां इस खेल को ज्यादा खेलती हैं। इस खेल में लड़कियां छोटे पत्थर उछाल कर अपने हाथ से पकड़ती हैं।

चंदा-पउवा (कौड़ी): चार खिलाड़ियों के साथ खेला जाने वाला खेल, जिसमें गोटियों से अंक जुटाए जाते हैं।

पर्ची वाले खेल: पढ़ाई को मजेदार बनाने के लिए यह खेल खेला जाता है, जिसमें वस्तु और शहर के नाम लिखे जाते हैं।

पिट्ठू: यह खेल चिकने पत्थर से खेला जाता है, इस खेल को ज्यादातर लड़कियां ही खेलती हैं।

अंताक्षरी: कई लोग बैठकर यह खेल खेलते हैं। इसमें दो टीम होती हैं। गाने के अंतिम अक्षर पर टीम के किसी सदस्य को गाना होता है। एक टीम के सदस्य का गाना खत्म होने पर दूसरी टीम का सदस्य गाने के अंतिम अक्षर का गाना गाता है। यह खेल बहुत मनोरंजक होता है।

यह भी जानो / नयनतारा

बच्चों, ऑर्केस्ट्रा में, फिल्मी गीतों में या फिर गीत-संगीत के किसी कार्यक्रम में बहुत सारे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ-साथ सबसे अधिक संख्या में जो इंस्ट्रूमेंट प्ले किया जाता है, वह है- वायलिन! आओ, हम तुम्हें 'साजों की रानी' वायलिन के आविष्कार की कहानी बताते हैं।

वायलिन के आविष्कार की कहानी

बच्चों, अगर तुम सौ संगीतकारों का कोई ऑर्केस्ट्रा देखोगे तो उसमें तीस से अधिक वायलिन बजाने वाले होंगे। वायलिन की टोन, इससे निकलने वाली धुनों और इसके एक्सप्रेशन के मल्टीपल लेवल और विस्तृत रेंज के कारण इसे ऑर्केस्ट्रा और अन्य म्यूजिकल इवेंट्स में अधिक महत्व दिया जाता है।

वायलिन के शुरुआत की जड़ें भारत में: बच्चों, वायलिन को विकसित होने में सैकड़ों वर्ष लगे। इसकी शुरुआत अपने देश भारत से मानी जाती है। दरअसल, हमारे देश में ही तारों के साज (म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट) बजाने का चलन आरंभ हुआ था। समय के साथ वीणा, सारंगी, तंबूरा, एकतारा, सितार जैसे साजों का आविष्कार होता गया और ये साज प्रचलन में आते गए। हम देख सकते हैं, आज भी हमारे लोक संगीत में एकतारा, सारंगी, सितार आदि तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स प्रमुखता से बजाए जाते हैं।

इकतारा वीणा रेबेक विएल्ले

हमसे इंस्पायर हुए यूरोपवासी: हमारे तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स से प्रेरित होकर ही मध्य युग के शुरुआत में यूरोप में अनेक तार वाले साज, 'बो' (धनुषाकार तार वाला उपकरण) के जरिए बजाए जाने लगे। इन साजों में से ही एक 'वीएल्ले' था, जो यूरोप में संभवतः 10वीं शताब्दी में बजाया जाने लगा था। इसे संगीतकार अपने कंधे से लगाकर बजाता था।

दो साजों के मिलने से बना एक साज: आगे चलकर वीएल्ले के स्वरूप में भी परिवर्तन आया। उन दिनों एक अरबी साज 'रबाब' या 'रेबेक' भी प्रचलन में आ चुका था। वीएल्ले की स्ट्रेंड बॉडी में बहुत होशियारी से रबाब के पेग शामिल कर दिए गए और इस मिश्रण से एक नए साज का जन्म हुआ। यह नए प्रकार का इंस्ट्रूमेंट कुछ-कुछ वायलिन जैसा ही था।

वायलिन के वास्तविक स्वरूप का आविष्कार: वैसे तो वायलिन को अपना बुनियादी आकार सन 1550 और 1600 के बीच में मिला और तब से उसमें बहुत मामूली परिवर्तन ही आया है। सबसे सफल वायलिन 17वीं-18वीं शताब्दी में बनाए गए। इटली के अंटोनियो स्ट्राडिवारी का वायलिन निर्माण के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्ट्राडिवारी अलग-अलग प्रकार के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण करते थे। इन्होंने एक हजार से अधिक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का आविष्कार किया था, जिनमें से अधिकतर वायलिन थे। म्यूजिक और वायलिन के प्रति इनकी दीवानगी के कारण स्ट्राडिवरी को 'उस्तादों का उस्ताद' कहा जाता था।

बच्चों, पांच सौ से अधिक वायलिंस ऐसे हैं, जिनके नाम उन महान संगीतकारों के नाम पर पड़े, जो उन्हें बजाते थे, जैसे-विओट्टी..आदि। *

जीके क्विज-125

1. हाल ही में किस फेमस टेनिस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की?
2. चुनाव के बाद एक बार फिर से हरियाणा के मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
3. पिछले दिनों फ्रांस के नए प्रधानमंत्री कौन बने हैं?
4. आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन कहां किया जा रहा है?
5. स्वाधीनता से पूर्व साइमन कमीशन कब भारत आया था?
6. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?
7. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
8. एफिल टावर कहां स्थित है?
9. 'मालगुडी डेज' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
10. सर्वप्रथम किस विदेशी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

बच्चों, जीके क्विज-125 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-124 का उत्तर : 1.यूएई, 2.विराट कोहली, 3.मिथुन चक्रवर्ती, 4.जर्मनी, 5. पामीर का पठार, 6.लोहा, 7.कैरोटीन, 8.शेरशाह सूरी, 9.ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, 10.मत्स्य पालन

जीके क्विज-124 का सही उत्तर देने वाले : अनिल-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, मानवी मधुकर-बिलासपुर, क्षमानिधि-बेमेतरा, पृथ्वीराज-बिलासपुर, शुभम-बिलासपुर, जय-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, आशुतोष-परसदा, आर्यन-रोहतक, दिव्या-रायपुर, हितेश-महासमुंद

हंसगुल्ले

नव्या : दुनिया में कितने देश हैं?
नैंसी : सिर्फ एक देश है— भारत।
नव्या : तो फिर अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, रूस ये सब क्या हैं?
नैंसी : अरे बुद्धू, वो सब तो विदेश हैं।
-खुशबू, रायपुर

चिंटू स्कूल जाते हुए बहुत रो रहा था।
पापा : चुप हो जाओ.. शेर बच्चे रोते नहीं।
चिंटू : लेकिन शेर बच्चे स्कूल भी तो नहीं जाते।
-राहुल, महासमुंद

मोनू : मैं चावल को बर्फ बना सकता हूं।
सोनू : (आश्चर्य से) वो कैसे?
मोनू : 'R' हटाकर।
सोनू : मतलब?
मोनू : जब हम RICE (चावल) में से R हटा देंगे तो ICE (बर्फ) ही तो बचेगा न।
-कुमकुम, बिलासपुर

गोलू और नन्ही चिड़िया

गोलू अपने मामा के गांव से लौटकर आया तो उसे वहां के बगीचे में फुदकती एक चिड़िया बहुत याद आती। उसका यही मन करता, वह चिड़िया यहां भी दिखाई दे। लेकिन चिड़िया दिखाई कैसे देती, उसके घर के आस-पास कोई पेड़ ही नहीं था, जिस पर आकर चिड़िया बैठती, चहकती। क्या गोलू अपने घर के आस-पास पेड़ की कोई व्यवस्था कर पाया?

कहानी
कल्लोल चक्रवर्ती

विद्यालय में दशहरे की छुट्टियां हुईं तो गोलू अपने मामा के गांव चला गया। वहां से जब वह वापस अपने घर लौटा तो उदास था। मामा के गांव में उसके कई दोस्त बन गए थे। उन सबकी गोलू को बहुत याद आ रही थी। सबसे ज्यादा नन्ही चिड़िया याद आ रही थी, जो रोज सुबह बगीचे में उससे मिलने आती थी। हुआ यह कि एक सुबह गोलू बगीचे में बैठा दूध-रोटी खा रहा था, तभी उसकी नजर अमरूद के पेड़ की निचली डाल पर बैठी एक सुंदर-सी चिड़िया पर पड़ी। गोलू को लगा कि चिड़िया उसे दूध-रोटी खाता देख रही है। उसने रोटी का एक टुकड़ा चिड़िया के सामने फेंक दिया, पहले तो चिड़िया ने उसे टुकुर-टुकुर गर्दन मटकाते देखा फिर रोटी का टुकड़ा आकर खा लिया। अगले दिन फिर ऐसे ही हुआ। फिर तो यह गोलू का खेल ही बन गया। मामी उसे खाने के लिए कटोरी में दूध-रोटी देतीं, तो वह बगीचे में जाकर बैठ जाता। एक-दो कौर खाने के बाद ही देखता कि चिड़िया अमरूद के पेड़ की डाल पर आ बैठी है। उससे रोटी पाने का इंतजार कर रही है। गोलू को आश्चर्य होता कि चिड़िया को उसके आने का पता कैसे लगा जाता है? गोलू की इस चिड़िया से बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी।

गोलू जब वापस शहर अपने घर पर लौटा तो भी वह चिड़िया उसे बहुत याद आ रही थी। गोलू की आंखों में आंसू आ गए। उसकी मां ने देखा तो उन्हें यही लगा, मामा के गांव के दोस्तों का साथ छूट जाने से वह दुखी है।

गोलू रात सोया तो सपने में वही नन्ही सुंदर चिड़िया आई। पेड़ पर बैठकर वह गोलू को देख रही थी। गोलू बहुत खुश था। सुबह उठने पर उसे यकीन ही नहीं हुआ कि वह अपने घर में है। गोलू कटोरी में दूध-रोटी लेकर घर के बाहर बैठ गया। उसे लगा कि शायद यहां शहर में भी चिड़िया आएगी। लेकिन यहां दूर-दूर तक कोई चिड़िया नहीं थी। स्कूल जाते हुए वह पूरे रास्ते इधर-उधर देखता रहा कि कहीं वह चिड़िया दिख जाए। उसने दोस्तों से सुना था, चिड़िया उड़कर कहीं भी पहुंच सकती है। स्कूल में पढ़ाई के समय भी वह क्लास में चिड़िया के बारे में सोचता रहा। उसे अपने जिगरी दोस्त चीकू से मिलकर भी खुशी नहीं हुई। स्कूल में छुट्टी होने के बाद घर लौटते समय गोलू ने चीकू को उस चिड़िया के बारे में बताया। चीकू ने बताया, 'मेरे चाचा ने एक चिड़िया पाली थी, पर वह दो दिन में ही उड़ गई। अब वह कभी-कभी पास के पेड़ की डाल पर आकर बैठती है। पेड़ ही तो चिड़िया के घर होते हैं।'

यह सुनकर गोलू उदास हो गया। उसके घर के सामने तो कोई पेड़ ही नहीं है। घर लौटते ही उसने देखा कि दरवाजे पर दादी बैठी हैं। गोलू ने दादी से कहा, 'मैं घर के सामने पेड़ लगाऊंगा, तभी तो चिड़िया बैठेगी।' दादी यह सुनकर जोर से हंस पड़ीं, बोलीं, 'पौधे लगाएगा, तभी तो पेड़ बनेंगे।'

गोलू सोच में पड़ गया कि वह पौधे लाए तो कहां से लाए? दादी को पता था कि ननिहाल से लौटने के बाद से ही गोलू उदास है। उन्होंने कहा, 'तू चिंता मत कर। हरिया माली से कहकर कुछ पौधे मंगवा लूंगी मैं। वह लगा भी देगा।'

अगले दिन गोलू ने स्कूल से आकर देखा कि घर के सामने कुछ पौधे लगाकर हरिया काका ने उन्हें बांस से घेर भी दिया है। खुशी से वह अंदर गया, तो दादी बोलीं, 'बेटा, सिर्फ खुश होने से काम नहीं चलेगा। इन नन्हे पौधों में रोज पानी तुझे ही देना होगा, तभी ये पेड़ बनेंगे, इनमें फूल खिलेंगे, फल आएंगे। इन पर आकर कई सारी चिड़ियां बैठेंगी।'

गोलू खुशी-खुशी राजी हो गया। मन ही मन बोला कि कल स्कूल जाने पर चीकू को सबसे पहले यह खबर दूंगा। उस रात सपने में गोलू को फिर वह चिड़िया दिखाई दी। इस बार वह मामा के घर के बगीचे में अमरूद के पेड़ पर नहीं, उसके घर के सामने लगे पौधों के बीच इधर-उधर फुदक रही है। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

उड़कर आसमान को छू लें

चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।
बिना पेड़ पर चढ़े रसीले, आम तोड़ कर खाएं।।
पंख हमें दो ऐसे, जिसमें हों सोने के सिक्के,
जिसे देख कर धरतीवासी रह जाएं भौचक्के,
गिरें टपाटप सिक्के, पांखें जितनी बार हिलाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
आसमान में छैल-छबीली ढेरों उड़ें पतंगें,
लड़ें पेंच पर पेंच सैकड़ों जब भी कटें पतंगें,
कटी पतंगों को उड़कर हम पकड़-पकड़ फिर लाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
नाना जी के घर जाना हो या जाना हो मेला,
जाम लगा हो या सड़कों पर उमड़ रहा हो रेला,
पल में पंख पसारें अपनी मंजिल को हम पाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
बस गाड़ी का इंतजार भी करना नहीं पड़ेगा,
मम्मी-पापा को संग लेकर चलना नहीं पड़ेगा,
उड़कर पढ़ने जाएं, विद्यालय से उड़कर आएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
चिड़िया बोली पंख तुम्हारे भीतर लगे हुए हैं,
हिम्मत, ताकत, जोश, हौसले के पर उगे हुए हैं
बस अंदर झांकें, अपने इन पंखों को फैलाएं।
उड़कर आसमान को छू लें, जो चाहें, वो पाएं।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां जंगल की सैर पर निकले भोलू भालू के दो चित्र दिए गए हैं। ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सात अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सातों अंतर खोजो।

उत्तर: 1.भोलू भालू की कैप का रंग बदला हुआ है। 2.उसके सिर के ऊपर बादल के दो टुकड़े दिख रहे हैं। 3.ऊपर बाईं तरफ पेड़ की टहनी में तीन पत्तियां गायब हैं। 4.ऊपर दाईं तरफ की टहनी में अलग तरह की पत्तियां दिख रही हैं। 5.नीचे दाईं तरफ स्नेल (घोंघे) का कलर बदला हुआ है। 6.नीचे बाईं तरफ दो फूलों का रंग बदला हुआ है। 7.नीचे भोलू के आगे अलग किस्म के दो मशरूम प्लांट्स दिख रहे हैं।

पूरा करो लोकोक्ति-मुहावरे

बच्चों, यहां कुछ अधूरी लोकोक्तियां और मुहावरे दिए गए हैं, इन सभी में रिक्त स्थानों पर शरीर के किसी-न-किसी अंग का नाम भरने से ये पूरे और अर्थपूर्ण हो जाएंगे। तुम रिक्त स्थानों में उपयुक्त अंगों का नाम भरकर इन लोकोक्तियों/मुहावरों को पूरा करो।

1. .... का तारा होना।
2. .... पर जूं न रेंगना।
3. .... का बाल होना।
4. .... पर सवार होना।
5. .... पर मूंग दलना।
6. ....चौड़ा होना।
7. .... का पानी न हिलना।
8. .... मुंह को आना।
9. .... की जूती।
10. ....बांका न होना।
11. ....धोकर पीछे पड़ना।
12. ....जाए पर दमड़ी न जाए।
13. .... खट्टे करना।
14. .... टेक देना।
15. ....पर मौत सवार होना।

प्रस्तुति : दीनदयाल शर्मा

उत्तर : 1. आंख 2. कान 3. नाक 4. सिर 5. छाती 6.सीना 7. पेट 8. कलेजा 9. पैर 10. बाल 11. हाथ 12. चमड़ी 13. दांत 14. घुटने 15. सिर

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां बाईं तरफ एक नन्ही परी का चित्र दिया गया है। दाईं तरफ चार परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ कि इस नन्ही परी के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

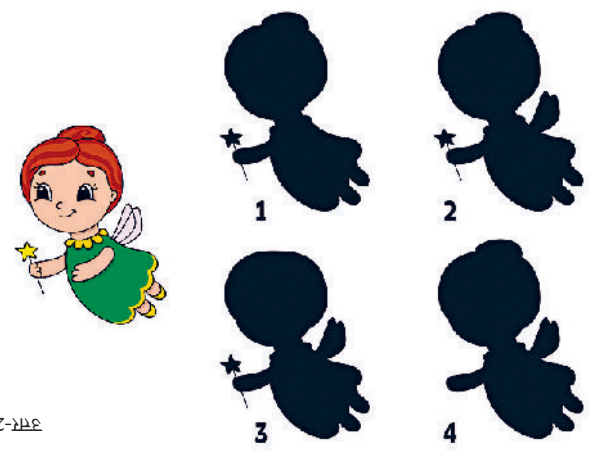

उत्तर-2

हरिभूमि
संस्कारधानी भूमि
रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

चुनावी साल में शहर विकास के लिए लगातार मिल रहा फंड

सात करोड़ की सड़कें उखड़ी अब खर्च होगा दस करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शहर की खराब सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए शासन से फिर एक बार फंड मिला है। इस बार करीबन 41 कामों के लिए दस करोड़ की स्वीकृति दी गई है। ज्ञात हो कि लगभग छह महीने पहले भी सड़कों की मरम्मत के लिए निगम ने सात करोड़ रुपए खर्च किए थे, लेकिन गुणवत्ताहीन कामों की वजह से कुछ महीनों में ही दोबारा खराब हो गई है।

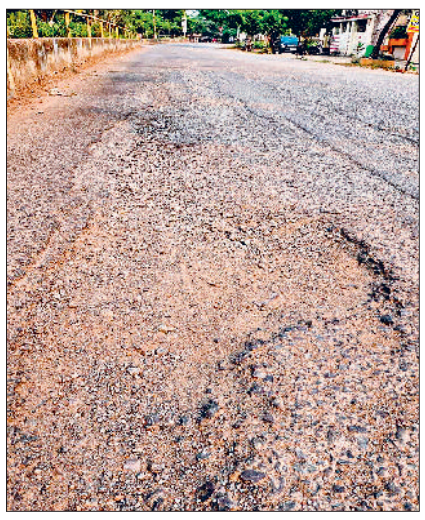

मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा बुधवार को यह स्वीकृति दी गई है। जिसमें कुल 41 कामों के लिए 10.03 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि शहर के विभिन्न इलाकों से सड़कों की स्थिति को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही है। ऐसे में हालत सुधारने के लिए पिछले एक साल के भीतर दो से तीन दफा फंड भी जारी किया जा चुका है, इसके बाद भी सड़कों की हालत सुधरने का नाम नहीं ले रही है। एक बार फिर भारी भरकम राशि खर्च करने की तैयारी कर ली गई है। निगम चुनाव से पहले हर वार्ड में विकास की कोशिशे की जा रही है।

शहर के विभिन्न इलाकों में होंगे डामरीकरण के काम

हाईकोर्ट भी जता चुका नाराजगी : शहर से लेकर गांव तक सड़कों की बदहाल स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। बीते दिनों शहर में सात करोड़ रुपए खर्च कर सड़कों की स्थिति सुधारने की कवायद की गई थी, लेकिन उसके बावजूद शहर के अधिकांश इलाकों में सड़कों की स्थिति बदहाल बनी हुई है। भ्रष्टाचार के इस खेल में ठेकेदार के साथ ही अफसर और जनप्रतिनिधि भी बराबर हिस्सेदार हैं। हाईकोर्ट ने भी अब सड़कों की स्थिति को लेकर नाराजगी जाहिर की है।

कांग्रेस वार्डों में कम खर्च?

इस साल अंत में नगरीय निकाय के चुनाव होने हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार भी इसको ध्यान में रखते हुए लगातार निकाय में विकास कामों के लिए बजट जारी कर रही है। इसको लेकर भी कांग्रेसी पार्षदों में कुछ नाराजगी देखने को मिल रही है। उनका कहना है कि भाजपा पार्षदों के वार्डों में ढ़ेरों स्वीकृति मिल रही है। जबकि उनके वार्ड में गिनती के काम ही स्वीकृत किए जा रहे हैं।

कमीशन के चक्कर में गुणवत्ताहीन काम

शहर में लगातार सड़कों की हालत सुधारने के लिए लाखों-करोड़ों का फंड खर्च किया जा रहा है, लेकिन इसके बाद भी सड़कों में गड्ढे और उनकी जर्जर हालत वैसे ही बने हुए है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अफसर और जनप्रतिनिधियो द्वारा लिए जाने वाला कमीशन है। ठेकेदार से भारी भरकम कमीशन लेने के चक्कर में काम की गुणवत्ता खराब होती है और कमीशन लेने वाले अफसर व नेता उसके खिलाफ कार्रवाई भी नहीं करते हैं।

शहर में होगा डामरीकरण का काम

इस बार शहर के अधिकांश इलाकों में डामरीकरण के कामों को स्वीकृति दी गई है। इनमें पुराना बस स्टैंड, मानव मंदिर चौक से इंदिरा नगर चौक, दिग्विजय कॉलेज से फौव्वारा चौक, गांधी चौक से आजाद चौक, ओस्तवाल लाइन से गंज चौक, भारत माता चौक से गंज चौक, सुमित बाजार से गुड़ाखू लाइन तक बीटी रोड, दुर्गा चौक से कुआं चौक तक डामरीकरण के काम शामिल हैं।

जड़ी बुटी युक्त खीर लेने पहुंचे हजारों पीड़ित

तीन हजार लीटर खीर प्रसाद का वितरण: मिली जानकारी के अनुसार दूरदराज से आने वाले हर भक्त को खीर प्रसाद उपलब्ध कराने के लिए मां पाताल भैरवी मंदिर समिति द्वारा लगभग 30 हजार से भी अधिक भक्तो के लिए खीर प्रसाद तैयार किया गया था। इतने लोगों के लिए लगभग तीन हजार लीटर दूध की खीर तैयार की गई थी।

शहर के मां पाताल भैरवी मंदिर में शरद पूर्णिमा की रात्रि श्वांस, दमा एवं अस्थमा पीड़ितों को जड़ी बुटीयुक्त खीर का वितरण किया गया। इस दौरान कई राज्यों और प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों श्रद्धालु जड़ी बूटीयुक्त खीर ग्रहण करने पहुंचे। मंदिर समिति के सचिव गणेश प्रसाद शर्मा ने बताया कि मंदिर समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा की रात लोगों को बेहतर स्वास्थ्य देने के उद्देश्य से जड़ी बूटीयुक्त खीर का वितरण किया गया। हजारों लोग शरद पूर्णिमा की रात जड़ी बूटीयुक्त इस खीर को ग्रहण करने पहुंचते हैं। इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालु ने यहां पहुंचकर प्रसाद स्वरूप जड़ी बूटीयुक्त खीर ग्रहण किया। रायपुर सहित अन्य जिलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि प्रतिवर्ष वे यहां आते हैं और यहां के खीर सेवन से उन्हें काफी लाभ भी होता है।

रैली व नारे बाजी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे

किसान संघ ने 17 सूत्रीय मांगों को लेकर किया कलेक्ट्रेट घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

भारतीय किसान संघ के सैकड़ो किसानों ने अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जहां सभी विभाग के विभाग प्रमुखों सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे ज्यादा तर किसानों की मांग शासन स्तर का है कुछ मांगे स्थानीय स्तर का है जिसे त्वरित विभाग प्रमुखों ने स्थानीय स्तर पर निराकृत करने का आश्वाशन दिया है किसानों की प्रमुख मांग जिले में दो नए शक्कर कारखाना खोले जाए, धान का प्रोत्साहन राशि प्रति वर्ष 9 सौ 15 रूपए किया जाए जैसे अनेक मांगो को लेकर किसान बड़ी संख्या में पुरानी मंडी प्रांगण में इकट्ठा हुए वहां से रैली के रुप मे नारे बाजी के साथ हाथ मे नारा लिखे तख्ती लिए सिग्नल चौक होते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुचे जहां जिला एवं पुलिस प्रशासन ने भारी संख्या में पुलिस बल लगा रखे थे। वही किसानों ने कलेक्ट्रेट गेट के सामने बैठ कर अपनी मांगों को लेकर अधिकारियों से वन टू वन चर्चा की वही अधिकारियों ने भी शासन स्तर की मांग को शासन को भेजने एवं स्थानी स्टार की मांगों को स्थानीय स्तर में जल्द से जल्द निपटने का आश्वासन दिया।किसानों ने बिजली समस्या बिजली कटौती को लेकर अपनी बढ़त रखी किसानों की सभी बिजली संबंधी समस्या का बिजली विभाग के मुख्य कार्यपालन अभियंता श्री फ़्लोरा ने जल्द निराकरण करने का आश्वाशन दिया व सिचाई संबंधी नए बांध बनाने एवं बांधो में सिचाई के लिए नहर नाली विस्तार के लिए सिंचाई विभाग के मुख्य कार्यपालन अभियंता ने जल्द से जल्द विस्तारीकरण का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजने एवं स्थानीय स्तर की समस्याओं को जल्द निपटाने के आश्वासन दिया। किसानों को प्रमुख मांग जिले में दो और नए सहकारी शक्कर कारखाना खोलने एवं कवर्धा व पंडरिया दोनो शक्कर कारखाना में किसानों की लंबित भुगतान का विषय रखा जहां शक्कर कारखाना के एम डी श्री शर्मा ने जल्द से जल्द लंबित भुगतान को किए जाने एवं राज्य शासन को जिले में नए कारखाना खोलने की किसानों की मांग को शासन स्तर में भेजने का आश्वासन दिया ।

विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन : भारतीय किसान संघ

भारतीय किसान संघ ने गर्जना रैली निकालकर किसान की दशा सुधारने के लिए तथा उन्हे समाज के निचले स्तर से ऊपर उठाकर आर्थिक रूप सशक्त बनाने के लिए भारतीय किसान संघ द्वारा किसान गर्जना रैली गुरूवार को दोपहर 12 बजे पुराना कृषि उपज मंडी गांधी के सामने विशाल रैली निकालकर भारतीय किसान संघ द्वारा धान पर प्रत्येक वर्ष 915 रूपए प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि दिया जाए, जिससे केन्द्र द्वारा एमएसपी के वृद्धि का लाभ किसानों को मिल सकें। किसान न्याय योजना का लंबित चौथे किस्त की राशि किसानों को दिया जाए। देश को दहलन तथा तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए धान के अलावा 20 हजार रूपए दिया जाए तथा सभी फसलों को समर्थन मूल्य में खरीदा जाए, श्री अन्न मिलेट्स की खेती करने वाले किसानों को 25 हजार रूपए प्रति एकड़ की इनपुट सब्सिडी दिया जाएं, गन्ने का मूल्य 355 से बढ़ाकर 500 रूपए प्रति क्विंटल किया जाएं तथा प्रति क्विंटल 208 रूपए बोनस दिया जाएं, शासन द्वारा गन्ना किसानो को दिए जा रहे बोनस, रिकवरी आदि का लाभ जिले के सभी गन्ना उत्पादकों को मिलना चाहिए इस के लिए सभी किसानों को शेयर दिया जाएं, जिले मे दो नए शक्कर कारखाना लोहारा तथा कवर्धा ब्लॉक में खुलवाया जाए तथा वर्तमान दोनों कारखाना की तकनीकी उन्नयन किया जाएं तथा कवर्धा में गन्ना अनुसंधान केन्द्र खोला जाएं, शक्कर कारखाना के शेयरधारी किसानों के मृत्यु उपरांत उनके शेयर को परिवार के किसी भी सदस्य के नाम ट्रांसफर किया जाएं,सुतियापाट नहर नाली विस्तार के लिए आवश्यक भू अर्जन राशि किसानों को शीघ्र दिया जाएं, हाफ नदी में बकेला के पास बैराज बनाया जाए करियाआमा बैराज का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए तथा उक्त विभिन्न मांग को लेकर विशाला गर्जना रैली में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित थें।

कवर्धा में मेडिकल कॉलेज खुलने का रास्ता हुआ साफ़

नवीन मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण के लिए ईटेंडर जारी

- सांसद संतोष पांडेय जिले में मेडिकल कॉलेज खुलवाने लगातार रहे प्रयासरत।

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडेय के लगातार प्रयास व मांग पर जिले में मेडिकल कॉलेज खुलेगा। राज्य सरकार द्वारा नवीन मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण के लिए 306 करोड़ रुपए राशि की प्रशासकीय स्वीकृति देने के पश्चात ईटेंडर भी जारी कर दिया गया है। सांसद संतोष पांडेय जिले में मेडिकल कॉलेज खुलवाने के लिए लगातार प्रयासरत थे।

सांसद पांडेय ने सन 2021 में दिल्ली लोकसभा में स्वास्थ्य सुविधाओं का मुद्दा उठाते हुए कबीरधाम जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग प्रमुखता से की थी। इस संबंध में सांसद पांडेय ने तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को पत्र भी लिखा था। इसके बाद उन्होंने सन 2023 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया से मुलाक़ात कर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का आग्रह करते हुए पत्र भी सौंपा था। इसके बाद केंद्र सरकार ने मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति प्रदान की थी। इसके बाद राज्य सरकार ने भी भवन निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी थी। अब निर्माण हेतु ईटेंडर भी जारी कर दिया गया है। इसके लिए सांसद पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया का आभार व्यक्त किया है।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी

सांसद संतोष पांडेय ने बताया कि कबीरधाम जिला आदिवासी बाहुल्य जिला है। जिले के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहद आवश्यकता है। मेडिकल कॉलेज जिलेवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग थी। मेडिकल कॉलेज के अभाव में जिले के मरीजों को राजधानी रायपुर या फिर अन्य दूरस्थ स्थित बड़े शहरों में इलाज हेतु जाना पड़ता है। कवर्धा से राजधानी रायपुर सहित बिलासपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई शहर की दूरी करीब सवा सौ किलोमीटर है। जबकि कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र बार्डर की दूरी जिला मुख्यालय से करीब 80 किमी है। वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर लाभ नही मिल पाता। इसके चलते उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिले में मेडिकल कॉलेज खुल जाने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। साथ ही जिले का विकास भी होगा।

संस्कार पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि कोलेगांव। विकासखंड पंडरिया के ग्राम कोलेगांव में संचालित संस्कार पब्लिक हाई स्कूल कोलेगांव के बच्चे न केवल पढाई में अच्छे है अपितु सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लेने में पीछे नहीं रहते है। इस बात को चरितार्थ करते हुए कुंडा में आयोजित भोरमदेव कला तिहार में संस्कार पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भाग लिया व मनमोहक शानदार नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय संस्था प्राचार्य विजय कुमार वैष्णव ने संस्था में कार्यरत सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को दिया। बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रस्तुति दी जिससे आसपास के ग्रामीण व संस्कार पब्लिक हाई स्कूल शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थें। वही कार्यक्रम के समापन मे भोरमदेव कला के समिति के अध्यक्ष एवं संस्थापक ने छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाया इस दौरान जनप्रतिनिधि पालकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कृषि विभाग ने किया 2 करोड़ से अधिक की राशि हेराफेरी

हरिभूमि कवर्धा। जिला पंचायत सभा कक्ष में सामान्य सभा बैठक आहूत किया था, जिसमें सहकारिता एवं कृषि विभाग के एजेंडा रहा जिस पर कृषि विभाग में किसानों को मिलने वाली फसल बीमा की राशि में बड़ा घोटाला हुआ है और इस घोटाला को कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मिलकर अंजाम दिए है। इस पूरे प्रकरण में जिला पंचायत सदस्य तुकाराम चंद्रवंशी विज्ञाप्ति जारी कर बताया कृषि विभाग से फसल बीमा की राशि सीधा किसानों को खाते में प्रदाय करना था, मगर अधिकारी सांठ गांठ कर मूल खाताधारक किसानों के खाते में पैसा न डालकर हेराफेरी करते अन्य किसान के खाते में पैसा डालकर राशि का बंदरबांट किए है और यह न केवल एक किसान का बल्कि 50 से 60 कृषकों के लगभग 2 करोड़ के ऊपर कि राशि का हेरफेर किया गया था, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी विनीत चंद्रवंशी ने अपनी पत्नी रितु चंद्रवंशी और अन्य अपने करीबी रिश्तेदार खगेंद्र पिता लीलागर चंद्रवंशी, मुरारी पिता लीलागर, अनीता पति किंकर चंद्रवंशी, रामस्वरूप पिता बीरबल वर्मा के खाते में राशि ट्रांसफर कराया था और अन्य किसानों से मिलकर आधा राशि खुद मांगे और आधा राशि कृषकों को दिए। जबकि विनीत चंद्रवंशी की पत्नी का जमीन पोड़ीटोला में है ही नहीं बावजूद उनके नाम से राशि आहरण किया गया है। इस मामले को सामान्य सभा बैठक में क्षेत्र क्रमांक 5 के जिला पंचायत सदस्य एवं युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष तुकाराम चंद्रवंशी ने प्रमुखता से उठाया और सहायक संचालक कृषि को जमकर फटकार लगाया इसके साथ ही एक सप्ताह के भीतर दोषियों पर कार्यवाही करते हुए फसल बीमा की राशि मूल किसानों को प्रदाय करने को कहा इसके साथ ही सहायक संचालक कृषि पर बिफरते हुए बीज अंकुरण नहीं होने की लगातार शिकायत प्राप्त हुआ था, उस पर भी तुकाराम चंद्रवंशी बीज कंपनी पर ब्लैकलिस्ट की कार्यवाही एवं किसानों को क्षतिपूर्ति देने का बात कहा। श्री चंद्रवंशी ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा भाजपा सरकार में अधिकारी बेलगाम है भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे है, कृषि विभाग के उपसंचालक कोटेशन से अत्यधिक मूल्य पर खरीदा कम्प्यूटर कृषि विभाग के सहायक संचालक द्वारा पीएम किसान योजना अंतर्गत प्राप्त राशि से प्रति कम्प्यूटर 96 हजार के हिसाब से 4 कम्प्यूटर का खरीदी किया है जो पूर्णतः नियम विरुद्ध है जबकि राज्य सरकार का स्पष्ट निर्देश है जो विभाग द्वारा जो भी खरीदी बिक्री होना वो जैम पोर्टल से खरीदी करना मगर सहायक संचालक मोहंती ने नियम को ताक में रखकर सरकार खजाने को चुना लगाया है। सहायक संचालक मोहंती ने 3 कोटेशन के आधार पर कम्प्यूटर खरीदी जबकि जैम पोर्टल में कम्प्यूटर का न्यूनतम मूल्य है जिसे कोटेशन से अत्यधिक मूल्य पर खरीदी किया यह भी एक घोटाला का उजागर किया। तुकाराम चंद्रवंशी ने बताया पूर्व में भी रमन सरकार में किसानों की फसल बीमा की राशि में बड़ा घोटाला हुआ था जिसमें लगभग 24 करोड़ की राशि का हेरफेर किया गया और मामला उजागर होने के बाद लीपापोती किया था, भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है किसानों के हक का पैसे को चोरी करने वाला सरकार है।

21 अक्टूबर को धरना प्रदर्शन, डिप्टी सीएम कार्यालय का घेराव होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

लोहारीडीह मामले में गिरफ्तार निर्दोष ग्रामीणों की तत्काल रिहाई और प्रदेश में बढ़ते अपराध समेत कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस बड़ा आंदोलन करने जा रही है. जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष होरीराम साहू ने प्रेस कांफ्रेंस कर 21 अक्टूबर को कवर्धा में धरना प्रदर्शन और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के कार्यालय का घेराव करने की घोषणा की जिलाध्यक्ष होरीराम साहू ने बताया, इस आंदोलन में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कई नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे प्रेस कांफ्रेंस में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लालजी चंद्रवंशी आकाश केशरवानी गोपाल चंद्रवंशी उपस्थित थे। प्रदेश में बढते हुए अपराध एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के गृह जिले मे लगातार हो रहे अपराधिक घटनाक्रमों में निरंकुश शासन-प्रशासन के मुखिया की नाकामी को लेकर राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा के इस्तीफे की मांग। लोहारीडीह घटना में तत्कालीन एसपी अभिषेक पल्लव द्वारा के दायित्व कार्य करते हुए लोहारीडीह घटना को सम्भाल नहीं पाते एवं पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक ग्रामीणों की पिटाई जिसमें प्रशांत साहू की पुलिसिया पिटाई से मौत के अपराधी तत्कालीन एसपी अभिषेक पल्लव एवं कार्यवाही में संलिप्त समस्त स्टॉफ पर अपराधिक एफआईआर दर्ज करते हुए तत्काल सेवा से बर्खास्तगी की मांग। लोहारीडीह मामले में गिरफ्तार 167 ग्रामीणों में से ग्रामीणों की तत्काल रिहाई की मांग जबकि पुलिस प्रशासन द्वारा स्वर्गीय शिवप्रसाद साहू के हत्या के आरोप में गिरफ्तार मृतक रघुनाथ साहू के पुत्र के एफआईआर एवं उनके द्वारा बताये गए ग्रामीणों को अरोपी बनाकर जेल में डाला गया जिससे शिवप्रसाद साहू (कचरू) का मुख्य आरोपी एफआईआर कराने वाला रघुनाथ साहू का पुत्र है इस कारण 167 गिरफ्तार ग्रामीणों के केश में हाई कोर्ट की निगरानी मे पुनः नये सिरे से जांच की मांग एवं निर्दोश ग्रामीणों की रिहाई की मांग। स्वर्गीय शिवप्रसाद साहू (कचरू) एवं प्रशांत साहू के परिवार को 1करोड मुआवजे की राशि एवं परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी दिलाये जाने की मांग। बिरकोना में स्वर्गीय कोमल साहू का मौत को लेकर एसआईटी जांच कमेटी गठित की गई थी जो जांच कमेटी 4-5 माह बाद अपना रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें अपराधियों को बचाने का काम हो रहा है। जिस तरह से लोहारीडीह में हत्या को आत्महत्या बताया जा रहा था पुलिस द्वारा उसी तरह बिरकोना में हुए हत्या को आत्महत्या बताया जा रहा है। जिसकी हम मांग करते है कि लोहारीडीह की तरह दोषियों को तत्काल पकडा जाय मामले में लिपापोती किया जा रहा है उसका हम विरोध करते है।

पीजी कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस व कार्यशाला कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

आचार्य पंथ श्री ग्रंथ मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का आयोजन महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई एवं यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। जिसमें एक सप्ताह तक विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसके अंतर्गत मुख्य रूप से जागरूकता रैली, योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन, नशा मुक्ति पर रंगोली, भाषण, पोस्ट, निबंध प्रतियोगिता, व्यसन का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव, नशा मुक्त भारत, सुदर्शन क्रिया द्वारा तनाव प्रबंधन इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर प्रायोरिटीज मेंटल हेल्थ इन वर्कप्लेस विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीएस चौहान ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने हेतु तथा शारीरिक स्वास्थ्य जैसा ही मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की बात कही। कार्यशाला में स्रोत वक्ता डॉ मीता झा, व्याख्याता मनोविज्ञान अध्ययन शाला पं रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ उपस्थिति रही। उन्होंने इंडियन नॉलेज सिस्टम के साथ प्रायोरिटीज मेंटल हेल्थ इन वर्कप्लेस विषय पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिए साथ ही विश्वास, अभ्यास, एप्टीट्यूड टाइम मैनेजमेंट, इत्यादि के माध्यम से कार्य स्थल में सामंजस्य करने हेतु उद्बोधन दिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रिंकेश वैष्णव अध्यक्ष जन भागीदारी रहे, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के साथ सामंजस्य करते हुए व्यक्तिगत सामाजिक राजनीतिक आर्थिक क्षेत्र में आगे आने हेतु प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि अजय ठाकुर सांसद प्रतिनिधि कवर्धा उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ कविता कन्नौजे ने किया। उन्होंने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विभाग की विभिन्न शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में बताया। हिंदी के सहायक प्राध्यापक नरेंद्र कुमार कुलमित्र द्वारा स्वागत उद्बोधन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के वार्षिक पत्रिका कृति- का विमोचन किया गया। मनोविज्ञान की छात्रा संतोषी यादव, टेशू ठाकुर द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के वॉलिंटियर्स, यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य एवं महाविद्यालय छात्र-छात्राओं उपस्थित थें। विभाग के अतिथि प्राध्यापक पंचराम साहू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

केन्द्र के समान डीए देने संयुक्त मोर्चा ने की हड़ताल

मुख्यमंत्री से चर्चा कर 4 प्रतिशत डीए देय तिथि से देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭बोडला

छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों को 1अक्टूबर से डीए में 4 प्रतिशत के वृद्धि करने की मुख्य मंत्री विष्णुदेव साय द्वारा की गई घोषणा के उपरांत छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के संयोजक अनिल शुक्ला के नेतृत्व में कर्मचारी संगठनों का प्रतिनिधि मंडल 15 अक्टूबर को मंत्रालय में प्रदेश के वित्त मंत्री ओ पी चौधरी तथा कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप एवं टंक राम वर्मा की मौजूदगी में राज्य के कर्मचारियों की बहु प्रतीक्षित मांग पर घोषणा करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते कहा कि मोदी की गारंटी को लागू करने हेतु राज्य सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनरों को 4 प्रतिशत डीए देय तिथि 1 जनवरी 2024 से प्रदान किया जाय पिछले 9 माह की एरियर्श राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित कर दिया जाय ताकि कर्मचारियों की नाराजगी दूर हो जाय।

उल्लेखनीय है कि केंद्र के समान डीए देने की मांग की लेकर कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने अपनी एक दिवसीय हड़ताल मुख्य मंत्री एवं वित्त मंत्री से चर्चा में मिले ठोस आश्वासन स्थगित कर दिया था।

प्रतिनिधि मंडल में संयुक्त मोर्चा के घटक संगठनों के प्रतिनिधि के रूप में मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपूत, संरक्षक तीरथलाल सेन, प्रदेश स्वास्थय कर्मचारी संघ के संरक्षक ओपी शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष सूरज प्रसाद देवांगन, लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष संजय सिंह, प्रांतीय उपाध्यक्ष भोला राम किर, शासकीय वाहन चालक संघ के प्रांतीय सचिव बालकृष्ण साहू, छत्तीसगढ़ कर्मचारी संघ के उप प्रांताध्यक्ष अशोक कुमार नावरे, संचालनालयीन कर्मचारी संघ के जितेंद्र सिंह ठाकुर आदि सम्मिलित थे।

खबर संक्षेप

छग राज्य ओपन स्कूल परीक्षा 14 से 29 नवंबर तक

हरिभूमि कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल रायपुर द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सिर्टिफिश परीक्षा का तृतीय अवसर परीक्षा 14 से 29 नवंबर तक प्रातः 8.30 से 11.45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। समय सारिणी स्कूल की सूचना फलक पर चस्पा कर दी गई तथा गूगल मे छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल रायपुर की वेबसाइट पर जाकर डाऊनलोड कर सकते है। वहीं प्रवेश पत्र परीक्षार्थी जहां अपना आवेदन भरे है, उस स्कूल से प्राप्त कर सकेंगे या प्रति वर्ष की भांति नेट से भी डाऊनलोड करने सुविधा प्रदान की जाती है। परीक्षार्थी डाऊनलोड कर सकते है स्कूल प्रांगण के सूचना पलक में देखी जा सकती है।

पालक शिक्षक बैठक व साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

कवर्धा। शहीद नरेन्द्र शर्मा शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय रवेली में जनभागीदारी के सदस्यों के उपस्थिति में शिक्षक व पालक का बैठक आयोजित किया गया। साथ ही साथ त्रैमासिक परीक्षा व परीक्षा परिणाम की जानकारी के साथ उपस्थित शिक्षकों के द्वारा शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार कैसे होगा वहीं पाठ्य पुस्तक, निर्धन छात्राओं की फीस माफी, छात्रवृत्ति तथा 73 छात्राओं को निःशुल्क सायकल वितरण किया।

कलेक्टर ने नान और एफसीआई में लक्ष्य के अनुरूप कम चावल जमा करने जताई कड़ी नाराजगी

कस्टम मिलिंग धान उठाव व चावल जमा करने के संबंध में की गहन समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

गुरूवार को कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में खाद्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के अंतर्गत कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव और नान तथा एफसीआई में चांवल जमा करने के संबंध में गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने अब तक जिले में धान के उठाव के अनुपात में लक्ष्य के अनुरूप नान और एफसीआई में जमा किए चांवल की विस्तृत जानकारी ली। उन्होने लक्ष्य के अनुरूप कम चांवल जमा करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और 31 राईस मिलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा चांवल जमा नहीं करने पर बैंक गारंटी राजसात करने के साथ राईस मिल को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले में नागरिक आपूर्ति निगम में शेष चांवल को 1 सप्ताह के भीतर जमा करने के लिए समस्त राईस मिलर्स को निर्देशित किया। बैठक में बताया गया कि 31 राईस मिलर्स द्वारा 52 हजार 148 मीट्रिक टन चांवल जमा करने का लक्ष्य है। इनके द्वारा 36 हजार 97 मी टन चांवल जमा किया गया 16 हजार 50 मीट्रिक टन चांवल जमा करना शेष है। कलेक्टर ने कहा कि जिले में धान का उठाव हो चुका है, लेकिन चांवल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि समय-सीमा के भीतर सभी राइस मिलर्स से चांवल जमा कराएं और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि यदि तय समय-सीमा में चांवल जमा नहीं होता है, नियामानुसार सख्ती बरती जाएगी और जिले की खाद्य आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले में चांवल जमा करने की प्रक्रिया में देरी से सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे आम नागरिकों को असुविधा होगी। इसी लिए समय पर चांवल जमा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने भौतिक सत्यापन और प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।।

जिले के 31 राईस मिलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी

जिला खाद्य अधिकारी सचिन मरकाम ने बताया कि जिले के राईस मिलर्स द्वारा 3 लाख 32 हजार 114 मीट्रिक टन धान का उठाव किया गया है। इसके अनुरूप राईस मिलर्स को 2 लाख 24 हजार 830 मीट्रिक टन चांवल जमा करना था, लेकिन अब तक राईस मिलर्स द्वारा 01 लाख 57 हजार 987 मीट्रिक टन चांवल जमा किया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने शेष 66 हजार 847 मीट्रिक टन चांवल जमा करने के सख्त निर्देश दिए। जिला खाद्य अधिकारी श्री मरकाम ने बताया कि एफसीइआई में लक्ष्य के अनुरूप 01 लाख 17 हजार 13 मीट्रिक टन चांवल जमा करना था, जिसमें 69 हजार 213 मीट्रिक टन चांवल जमा किया गया। 47 हजार 800 मीट्रिक टन चांवल जमा करना शेष है। इसी प्रकार नान में लक्ष्य के अनुरूप 01 लाख 07 हजार 817 मीट्रिक टन चांवल जमा करना था, जिसमें 88 हजार 770 मीट्रिक टन चांवल जमा किया गया। 19 हजार 47 मीट्रिक टन चांवल जमा करना शेष है। कलेक्टर ने जिले के 31 राईस मिलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा चांवल जमा नहीं करने पर बैंक गारंटी राजसात करने के साथ राईस मिल को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिए।

भोरमदेव के समग्र विकास के लिए दूसरी बैठक संपन्न

- बुधवार को कार्य योजना की समीक्षा के लिए एक मैराथन बैठक की।

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

उपमुख्यमंत्री व विधायक विजय शर्मा ने रायपुर स्थित अपने शासकीय आवास में छत्तीसगढ़ के आध्यात्मिक गौरव भोरमदेव के समग्र विकास के लिए बनाई गई। जिसमें बुधवार को कार्य योजना की समीक्षा के लिए एक मैराथन बैठक की।

इस बैठक में गत दिवस टूरिज्म बोर्ड के आर्किटेक्ट इंजीनियर की चार सदस्यीय टीम को भोरमदेव में जाकर प्रत्यक्ष तौर पर दिए गए सुझाव पर योजना बनाकर प्रस्तुत करने को कहा था। जिसमे पुरातत्व समिति के सदस्य आदित्य श्रीवास्तव भोरमदेव मंडल अध्यक्ष दुर्गेश दुबे, युवामोर्चा बोड़ला अमित वर्मा, अजय चंद्रवंशी ने उपस्थित होकर सहयोग किया था। उस ब्लू प्रिंट पर संस्कृति विभाग डायरेक्टर विवेक आचार्य के साथ विस्तृत चर्चा किए। बैठक में हम लोगों के अतिरिक्त कैलाश चंद्रवंशी, रामजी मेरावी, खोरू सिंह धुर्वे ने बैठक में हिस्सा लिया।

योजना की लगभग सभी सुझाओं पर सहमति बनी और एक भव्य कारीडोर पूरे भोरमदेव क्षेत्र में मूल स्वरूप को नष्ट किए बिना बनाने और श्रद्धालुओं को अधिकतम सुविधा देने की योजना बनकर तैयार हो गई है। दिवाली के बाद एक अंतिम बैठक भोरमदेव में स्वयं उपमुख्यमंत्री सभी संबंधितों के साथ लेंगे। भोरमदेव के विकास के लिए मंत्री कितने गंभीर हैं इससे पता चलता है।

मां लक्ष्मी पूजन के लिए शास्त्रानुसार 31 अक्टूबर को ही करें पूजा: चंद्रप्रकाश उपाध्याय

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

कार्तिक कृष्ण अमावस्या के अवसर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस वर्ष कुछ असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिस पर ज्योतिर्मठ के सीईओ चंद्रप्रकाश उपाध्याय ने बताया कि संवत 2081 के अनुसार अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को सायंकाल 3:12 बजे प्रारंभ हो रही है और 1 नवंबर को 5:14 बजे समाप्त होगी। चंद्रप्रकाश उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी पूजन केवल 31 अक्टूबर को ही करना चाहिए, क्योंकि इस दिन प्रदोष काल और स्थिर व्रष लग्न का संयोग है।

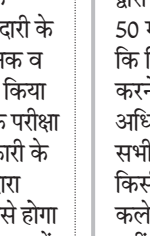

उन्होंने बताया कि स्थिर लग्न में लक्ष्मी का पूजन करने से धन की स्थिरता बनी रहती है। इस वर्ष धनतेरस का पूजन 29 अक्टूबर को किया जाएगा, जिसमें नए सामान लाने से धन में वृद्धि के संकेत प्राप्त होते हैं। इसके बाद 30 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी का व्रत मनाने की सलाह दी गई है। श्री उपाध्याय ने कहा कि 1 नवंबर को अन्नकूट गोवर्धन पूजा नहीं होगी यह पूजा 2 नवंबर को होगी, जबकि भाई दूज का पर्व 3 नवंबर को मनाया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील किया कि वे शास्त्रानुसार पूजा-पाठ का पालन करें ताकि इस पवित्र अवसर का अधिकतम लाभ उठा सकें।

माता की स्मृति में कराया न्योता भोज

हरिभूमि कुण्डा। विकासखंड पंडरिया अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला संकुल ढुल्लापुर बाजार के सफाई कर्मी सनत कुमार चंदेल ने अपनी माता स्व. श्रीमती बिंदु बाई चंदेल की स्मृति में अध्ययन छात्र-छात्राओं व शाला के शिक्षक शिक्षिकाओं तथा प्रबंधन समिति के सदस्यों को शासन के इस महती योजना से प्रभावित होकर न्योता भोज कराया गया। जिसमें बच्चों एवं आगंतुकों को खीर-पूड़ी, बड़ा, छोले-चना तथा मीठा खिलाकर गौरवांवित महसूस किया। शाला प्रधान पाठक हेमंत कुमार शर्मा ने बताया कि न्योता भोज करने से पालक के साथ ही साथ प्रबंधन समिति एवं अन्य ग्रामवासी स्कूल प्रबंधन से सहज रूप में जूड़कर स्कूल के प्रति अपनी सकारात्मक ऊर्जा लगाते हैं, जिससे बच्चे लाभांवित होते हैं। इस कार्यक्रम में प्रधान पाठक हेमंत कुमार शर्मा, सहायक शिक्षक चित्रेश कुमार देवांगन, सहायक शिक्षिका श्रीमती नूतन जांगड़े, माध्यमिक विभाग से शिक्षक नारद साहू, सुश्री कविता साहू, चमेली साहू, प्रबंधन समिति सदस्य व छात्र छात्राएं उपस्थित थें।

सौर ऊर्जा स्ट्रीक लाइट वर्षों से बंद, क्षेत्र में पसरा अंधेरा

ग्रामीण मूलभूत सुविधा से वंचित, बढ़ी परेशानियां

हरिभूमि न्यूज ⏭कोलेगांव

ग्राम पंचायत कोलेगांव में शासन प्रशासन द्वारा सौर ऊर्जा स्ट्रीक लाइट वर्षो पहले लगाया गया। वहीं विभागीय अधिकारियों तथा जिम्मेदारों की भारी अनदेखी व सुधार तथा मरम्मत कार्य के अभाव में सौर ऊर्जा स्ट्रीक लाइट बंद पड़ा है।

जिससे चौंक चौराहों तथा गली मोहल्ले में अंधेरा ही अंधेरा पसरा हुआ है। ग्रामीणो ने बताया कि जिम्मेदारो की अनदेखी का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है वहीं ग्रामीणों को शासन प्रशासन की महत्वकांक्षी तथा मूलभूत सुविधाओं से वंचित नजर आ रहें है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकवा शिकायत कर ग्राम पंचायत में लगे सौर ऊर्जा स्ट्रीक लाइट सुधार तथा मरम्मत कार्य की मांग की गई ताकि ग्रामीण क्षेत्र गली मोहल्ले व चौंक चौराहों में शाम होते ही अंधेरा व सौर ऊर्जा स्ट्रीक लाइट सिर्फ और सिर्फ शोपीस की तरह खड़ी है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

शाम होते ही क्षेत्र में अंधेरा, ग्रामीण रहवासी परेशान

ग्रामीणों ने बताया कि वर्षो से लगे सौर ऊर्जा स्ट्रीक लाइट वर्षो से बंद होने से क्षेत्र में शाम होते ही अंधेरा होने से रहवासियों को भारी दिक्कतों व परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं त्यौहारी सीजन में गली-मोहल्ला व चौक चौराहा तथा मंदिर में अंधेरा छाएं होने से शाम होते ही सन्नाटा पसरा रहता है। जिस पर ग्राम पंचायत कोलेगांव के रहवासियों ने शासन प्रशासन व जिम्मेदारों को इस ओर ध्यान देने तथा सौर ऊर्जा स्ट्रीक लाइट की सुधार तथा मरम्मत कार्य की मांग की गई जिससे क्षेत्र के गली मोहल्ला व चौंक चौराहा रोशन हो सकें।

महाविद्यालय पिपरिया व हाई स्कूल मरका में साइबर जन-जागरूकता पखवाड़ा संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭पिपरिया

जिला के पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के निर्देशन के मार्गदर्शन में बुधवार को थाना प्रभारी पिपरिया व स्टाफ द्वारा शासकीय महाविद्यालय पिपरिया एवं हाई स्कूल मरका में साइबर जन-जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूली छात्र-छात्राओं व समस्त शिक्षकगण उपस्थित हुए जिन्हे साइबर अपराध तथा साइबर ठगी होने से बचने के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही आमतौर पर सबसे ज्यादा ठगी किए जाने वाले तरीके जैसे लोन देने के नाम पर ठगी, ऑनलाईन नौकरी लगाने के नाम पर ठगी, टॉवर लगाने के नाम, फर्जी लॉटरी लगाने का झासा देकर ठगी, साइबर स्टकिंग, हॉउस अरेस्ट, सैक्शटार्सन, व्हाटसप, फैसबुक इंस्टाग्राम का क्लोन बनाकर उनके दोस्तों के साथ पैसे की मांग करके ठगी करना व फर्जी एप्लीकेशन इत्यादि के बारे में जानकारी दिया गया व सतर्कता पूर्वक कम्प्युटर तथा मोबाइल का उपयोग करने कहा गया। किसी भी प्रकार की ठगी होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्प लाईन मे सम्पर्क करने हेतु भी जानकारी प्रदान की गई।

हरिनछपरा में एक दिवसीय श्रम कार्ड पंजीयन शिविर संपन्न

हरिभूमि बरबसपुर। ग्राम हरिनछपरा में सरपंच आनंद दास बघेल द्वारा श्रम विभाग को अवगत कराने पर जिसमें श्रम कार्ड विभाग कवर्धा के अधिकारी एक दिवसीय श्रम कार्ड पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया व श्रम विभाग के अधिकारी श्रम निरीक्षक फत्ते सिंह परस्ते, कम्प्युटर ऑपरेटर रोहित कुमार साहू, भृत्य गिरवर साहू, जिसमें श्रम कार्ड पंजीयन के लिए 50 हितग्राही श्रम कार्ड पंजीयन बनाया गया, पंचायत सचिव रोहित कोसले का भी सहयोग से श्रम कार्ड शिविर का संपन्न हुआ, इसमें ग्रामीणजन बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान जलेश बघेल, राजू चतुर्वेदी, भुवनेश्वर सिंहा, जीवन लहरें, एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थें, सरकार की नई योजना से हितग्राही के बच्चों को मिलेगा लाभ। वहीं कक्षा पहली से पांचवी तक के बालक को 1 हजार रूपए छात्रवृत्ति व कक्षा पहली से पांचवी तक के बालिका को 15 सौ रूपए छात्रवृत्ति, कक्षा छठवीं से आठवीं तक बालक को 15 सौ रूपए छात्रवृत्ति, छठवीं से आठवीं तक के बालिकाओं को 2 हजार रूपए छात्रवृत्ति, पहला बच्चा होने पर 20 हजार व दूसरा बच्चा होने पर 20 हजार रूपए श्रम विभाग द्वारा दिया जाता है, इसी तरह संगठित भवन निर्माण श्रम कार्ड में भी दसवीं पास बेटियों को 20 हजार तथा बेटियों की शादी पर 20 हजार रूपए मिलता है।

आवागमन में मिलेगी सुविधा व पढ़ाई के क्षेत्र में बढ़ेगी रफ्तार : चंद्रवंशी

जेवड़न खुर्द में 39 छात्राओं को साइकिल वितरित

- सायकल पाकर बालिकाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

हरिभूमि न्यूज ⏭पिपरिया

जनपद पंचायत कवर्धा ग्राम पंचायत जेवड़न खुर्द के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्ययनरत 39 छात्राओं को शासन प्रशासन की निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के तहत मां सरस्वती की तैलचित्र में विधि विधान से पूजा अर्चना कर अतिथियों ने बालिकाओं को नई सायकल वितरित की गई।

वहीं स्कूली छात्राएं सायकल पाकर बालिकाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश चंद्रवंशी ने कहा की बालिकाओं को सायकल मिलने से स्कूल आने-जाने में सुविधा मिलेगा साथ ही साथ इससे समय की बचत तथा पढ़ाई लिखाई अच्छे मन से करने कहा गया।

इस सायकल वितरण कार्यक्रम में वशिष्ठ अतिथि शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष महेश चंद्रवंशी, अमित चंद्रवंशी, गणेश चंद्रवंशी, मुन्ना गेंदले, संजय चंद्रवंशी, प्राचार्य अशोक चंद्रवंशी, संतोष शर्मा, श्याम दास कोसरिया, पूर्व प्राचार्य केआर चंद्रवंशी, शिक्षक-शिक्षिकाएं व समस्त पालकगण तथा छात्र छात्राएं उपस्थित थें, कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता संतोष शर्मा नें किया।

देवउठनी एकादशी को स्थानीय अवकाश घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

देवउठनी एकादशी के दिन जिले के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने का छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने स्वागत किया। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि कार्यालय कलेक्टर कबीरधाम द्वारा विगत 10 दिसंबर को जारी आदेश के अनुसार जिले के लिए घोषित स्थानीय अवकाश में संशोधन करते हुए आगामी 12 नवम्बर को देवउठनी एकादशी के दिन स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। ज्ञातव्य हो कि विगत 9 दिसंबर को टीचर्स एसोसिएशन के जिला प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर गोपाल वर्मा से मुलाकात कर देवउठनी एकादशी के दिन स्थानीय अवकाश घोषित करने की मांग किया था, जिसके दूसरे दिन ही यह अवकाश का आदेश जारी किया गया है। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी, हेमलता शर्मा, रविन्द्र चन्द्रवंशी, आसकरण धुर्वे, उग्रसेन चन्द्रवंशी, केशलाल साहू, वकील बेग मिर्जा, बलदाऊ चन्द्राकर, गोकुल जायसवाल आदि पदाधिकारियों ने देवउठनी एकादशी को स्थानीय अवकाश घोषित करने के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

आयोजनों के लिए दे रहे हैं मैदान, तो सड़क पर खेलने मांगी अनुमति

खेल मैदान में आयोजन का विरोध, फुटबॉल लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शहर के बीच दो प्रमुख खेल मैदान को विभिन्न आयोजनों के लिए दिए जाने का विरोध यहां के खिलाड़ी लगातार कर रहे हैं। इसके बावजूद इन मैदानों को आयोजनों के लिए दिया जा रहा है। जिससे आक्रोशित खिलाड़ी आज फुटबॉल लेकर कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचे और अपना विरोध जताया।

शहर के म्युनिसिपल स्कूल और स्टेट स्कूल मैदान में प्रतिदिन खिलाड़ी अपनी प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन इन मैदानों को विभिन्न आयोजन के लिए दिए जाने के चलते उनकी प्रैक्टिस प्रभावित होती है। वहीं मैदानों की दुर्दशा भी हो जाती है। जिसको लेकर खिलाड़ियों ने पहले भी विरोध किया था, लेकिन इसके बावजूद इन दोनों मैदानों को आयोजनों के लिए दिया जा रहा है। आज खिलाड़ियों ने कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन के माध्यम से इन मैदानों को सिर्फ खेल के आयोजन के लिए आरक्षित करने कहा है और अन्य आयोजनों को कहीं और करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मदन यादव, कदीर अंसारी, शासंक सोनी सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

फटाका दुकान का विरोध

दीपावली त्यौहार के समय शहर के म्युनिसिपल स्कूल मैदान में लगाए जाने वाले फटाका दुकानों का भी खिलाड़ियों ने विरोध करते कहा है कि इन दुकानों की वजह से खिलाड़ियों की प्रैक्टिस नहीं हो पाती है। वहीं ग्राउंड को भी नुकसान पहुंचता है। कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचे शहर के खिलाड़ियों ने कहा है कि इस वर्ष फटाका दुकान स्टेट और म्युनिसिपल स्कूल ग्राउंड में ना लगाते कहीं और लगवाया जाए।

राजनांदगांव की पहचान खेल से

खेल मैदानों की आयोजनों से हुई दुर्दशा के मामले में प्रदेश हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने कहा कि राजनांदगांव की पहचान खेलों से है और प्रशासन आयोजनों के लिए खेल मैदान दे रहे हैं। आने वाला 4 माह खेलों के आयोजन के लिए है, तो इसे खेल के लिए आरक्षित रखना चाहिए।

सड़क पर खेलने की अनुमति दे प्रशासन

खेल मैदानों को आयोजन के लिए दिए जाने का विरोध करते जिला फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मदन यादव ने कहा कि मैदान खिलाड़ियों के लिए है, अगर इसे आयोजन में दिया जा रहा है तो फिर खिलाड़ियों को शहर के ईमाम चौक और मानव मंदिर चौक में खेलने की अनुमति दी जाए।

शरद पूर्णिमा पर बर्फानी धाम में आयोजन

खीर प्रसाद: रातभर मां के दरबार में लगा रहा श्रद्धालुओं का मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

बर्फानी सेवाश्रम समिति द्वारा बर्फानी आश्रम परिसर में शरद पूर्णिमा 16 अक्टूबर की रात्रि में हजारों श्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को जड़ी बुटीयुक्त खीर प्रसाद का निःशुल्क वितरण किया गया। जिसमें अंचल सहित देशभर से हजारों की संख्या में पीड़ति यहां पहुंचे थे। इसके अलावा लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने की दृष्टिकोण से छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध लोक कलामंच स्वरधारा ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया।

संस्था के सचिव गणेश प्रसाद शर्मा 'गन्नू' ने बताया कि बर्फानी आश्रम में संस्था द्वारा जनकल्याण के तहत श्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को पिछले 28 वर्षों से दुर्लभ जड़ी बुटियां एकत्रित कर पौराणिक मान्यताओं अनुसार जड़ी बुटीयुक्त खीर प्रसादी तैयार कर पीड़ितों को ब्रम्हमुहूर्त में वितरित की जाती है। इस वर्ष भी संस्था द्वारा 16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा पर खीर प्रसाद तैयार करवाया गया था, जिसे शरद पूर्णिमा की रात्रि अमृतरूपी बूंदों से प्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं को ब्रम्हमुहूर्त पर मां पाताल भैरवी सहित परमपुज्य गुरुदेव श्री बर्फानी दादा की पूजन आरती पश्चात निःशुल्क वितरित किया गया, जो सूर्योदय पश्चात तक चलता रहा।

लोक कलामंच स्वरधारा ने बांधा समां

लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने की दृष्टिकोण से इस वर्ष भी मनोरंजन के भरपूर रहने वाली एवं कर्मा, ददरिया, सुआ, पंथी के साथ ही हास्य व्यंग्य के प्रहसन प्रस्तुत करने वाली छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोककला संस्था स्वरधारा द्वारा संचालक विष्णु कश्यप के निर्देशन में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर रातभर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते रहे। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के तहत छत्तीसगढ़ महतारी व राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत भारत माता के ऊपर शानदार प्रस्तुति से लोगों को अपने ओर आकर्षिक किया।

पड़ोसी राज्यों से पहुंचे थे पीड़ित

इस बार भी छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल, उड़ीसा, राजस्थान, आंध्रप्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड सहित देश के अन्य हिस्सों से भी पीड़ितजन जड़ी बुटीयुक्त प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे थे। खीर प्रसाद को मध्य रात्रि के पूर्व खुले आसमान के नीचे रखा गया और ब्रम्हमुहूर्त पर माता को प्रसाद अर्पित कर पीड़ितों को वितरित करने का क्रम प्रारंभ हुआ, जो सूर्योदय पश्चात तक चलता रहा। संस्था द्वारा 30 हजार से भी अधिक श्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को जडी बुटीयुक्त खीर प्रसाद का वितरण किया गया।

प्रशासन, पुलिस व निगम का भी मिला सहयोग

संस्था द्वारा सन 1997 से प्रारंभ किए गए मानव सेवा एवं जनकल्याण के तहत शरद पूर्णिमा पर आयोजित आयोजन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व नगर निगम से भी सहयोग प्राप्त हुआ। पुलिस विभाग द्वारा रात्रिभर सुरक्षा की दृष्टिकोण से विशेष दल लगाकर आयोजन स्थल व मार्ग पर विशेष निगरानी भी रखी गई थी।

नाटक ''सरबजीत'' का 20 को मंचन

राजनांदगांव। पंजाब की सौंधी मिट्टी की खुशबू को छत्तीसगढ़ की धरा पर बिखेरने स्थानीय राजनांदगांव थियेटर ग्रुप के कलाकार नाटक सरबजीत का मंचन 20 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम गौरव पथ में करने जा रहे हैं। यह नाटक सत्य घटना पर आधारित है। जिसकी लेखिका उत्कर्षनी विशिष्ठा है तथा नाट्य रूपांतरण व निर्देशन शहर के प्रसिद्ध रंगकर्मी रितेश सिंगाडे ने किया है। नाटक की अवधि 1 घंटा की है। साथ ही इस नाटक में कुल 15 पात्र हैं, जो विभिन्न किरदारों में आपको नजर आएंगे।

राजनांदगांव शहर के इतिहास में यह पहली बार होगा कि पंजाबी और हिंदी के संवादों का मिश्रण नाटक सरबजीत में देखने मिलेगा। नाटक सरबजीत आगामी दिनों में केरल, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और असम जैसे प्रदेशों में राजनांदगांव कला संस्कृति की छवि छोड़ेगा।

नाटक सरबजीत के निर्देशक रितेश सिंगाडे ने बताया कि इसके पूर्व भी राजनांदगांव थियेटर ग्रुप के कलाकारों द्वारा ''जब मैं सिर्फ औरत होती हूँ'' नाटक का मंचन किया गया, जिसे दूसरे राज्यों में भी प्रस्तुत कर कई पुरस्कार अर्जित किए हैं और दर्शकों की वाहवाही लूटी है। यह नाटक इंसानियत की मिशाल भी पेश करता है। नाटक सरबजीत बेबस बहन के संघर्षों की कहानी है।

पावर लिफ्टिंग में अंजू को मिला सिल्वर मेडल

राजनांदगांव। ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स वेट लिफ्टिंग क्लस्टर 2024 का आयोजन इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 23 सितंबर से 27 सितंबर तक भिलाई में आयोजित कराया गया। इस कलस्टर में वेट लिफ्टिंग, पॉवर लिफ्टिंग एवं योगा की प्रतियोगिता में देश के 29 पुलिस टीमों ने भाग लिया।

पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ पुलिस जिला राजनांदगांव से महिला प्रधान आरक्षक अंजू सिंह ने 76 किलो ग्राम समूह में कुल 380 किलो वजन उठाकर सिल्वर मेडल हासिल किया। ज्ञात हो कि अंजू सिंह पिछले 3 सालों से लगातार मेडल लेकर आ रही हैं । अंजू सिंह ने अपनी उपलब्धियों का श्रेय अपने पति एवं छत्तीसगढ़ पुलिस पॉवर लिफ्टिंग कोच असिस्टेंट कमांडेंट राकेश सिंह को दिया, जिन्होंने पारिवारिक दायित्वों के साथ-साथ उन्हें इस खेल का प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया। साथ ही पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा भी उन्हें समय-समय पर इस खेल हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

सम्मानित किया गया

इस खेल में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने उन्हें अपने कार्यालय में सम्मानित किया गया तथा उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की और खेल में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश ठाकुर एवं सहायक सेनानी राकेश सिंह भी उपस्थित थे।

अटारा गांव में नक्सली पर्चे-बैनर लगने से सनसनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

■ पुलिस मामले की जांच में जुटी

छुरिया क्षेत्र के ग्राम आटरा में नक्सलियों द्वारा बैनर एवं पर्ची चस्पा किए जाने का मामला सामने आने पर गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। पर्ची में गांव के बैठक में निर्णयों को लेकर चेतावनी भी दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छुरिया से लगभग 20 किमी दूर ग्राम आटरा में नक्सलियों द्वारा बैनर एवं पर्ची चस्पा किया गया। लंबे समय बाद ग्राम आटरा में नक्सलियों द्वारा बैनर-पर्चा चस्पा करने का मामला सामने आया है।

गांव के कुछ लोगों को पर्चा के माध्यम से चेतावनी दी गई है। जैसे ही पुलिस को इस बात की जानकारी हुई, पुलिस मौके पर पहुंचकर बैनर-पर्ची को जब्त किया।

पर्ची में कुछ लोगों को दी गई चेतावनी

गौरतलब है कि आईटीबीपी की दस्तक बाद नक्सलियों का गतिविधि पूरी तरह से बंद हो गया था, लेकिन लंबे समय बाद फिर से बैनर-पर्ची मिलने से नक्सलियों ने जंगल सीमा पर होने का एहसास करा दिया है। सीमा लगे होने के कारण नक्सलियों ने बैनर-पर्ची चस्पा कर कुछ लोगों को चेतावनी देते सुधर जाने की बात कही गई है। जिससे गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है। इधर पुलिस को गांव में मिले उक्त पर्ची-बैनर को लेकर भी संदेह है।

युवक से लूट के तीन आरोपी पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

रात के समय युवक से नगदी रकम लूट करने के मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रार्थी नितेश सोनी 27 साल निवासी कोठारपारा नंदई चौक थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव ने थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 11 अक्टूबर को वह अपने साथी देवा सोनकर के साथ पेंड्री ढाबा से खाना खाकर रात्रि में मोटर साइकिल से आ रहा था। रास्ते में देवा सोनकर की मोटर साइकिल का पेट्रोल खत्म हो जाने से मोहारा भठ्ठी के पास से वे गाड़ी को टोचन मारकर घर जा रहे थे । मोहारा बायपास के नीचे पहुंचे थे, तभी रात्रि करीबन 12.40 बजे दो मोटर साइकिल में चंद्रशेखर सिन्हा, विक्की रिजोरिया एवं रितेश यादव आए एवं प्रार्थी को पकड़कर जेब में रखे नगदी रकम 5800 रुपए को छीन लिए। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में आरोपियों के खिलाफ अपराध धारा 311 बीएनएस अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

आरोपियों से नगदी रकम बरामद

इस मामले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस गठित टीम द्वारा मुखबीर की सूचना पर आरोपी चंद्रशेखर सिन्हा, विक्की रिजोरिया और रितेश यादव से पूछताछ कर मेमोरंडम कथन के आधार पर लूट में प्रयुक्त मोटर साइकिल एवं नगदी रकम 5800 रुपए को बरामद कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन, उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव एवं समस्त थाना स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही।

online Booking:-www.tripuryatra.com
Individual & Group Tour
Honeymoon Tours
School Collage Tour
By Train-रिजर्वेशन कोच
06 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024, 20 दिसंबर से 01 जनवरी 2025
24 जनवरी से 05 फरवरी 2025, 21 फरवरी से 05 मार्च 2025
02 मार्च से 19 मार्च 2025
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
जनकपुर(सीता मईया का जन्म स्थल), सीतामणी, पशुपतिनाथ, लुम्बिनि (भगवानबुद्ध का जन्म स्थान), माँ मनोकामना देवी, पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव, डेविड फाल, विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (भोलेनाथ मंदिर, बुढ़ानिलकंड, सांघा), काठमांडू दरबार, भक्तपुर, गोरखनाथ मंदिर, अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), वाराणसी (काशी विश्वनाथ)
राशि:-स्लीपर 18500/- 3 एसी 27,500/- 2 एसी 30,500/- (+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D 36 Sector 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

छाया घना कोहरा, ठंड की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

अक्टूबर माह लगभग बीतने को है और अब ठंड का एहसास होने लगा है। मौसम में तड़के ठंडक बन रही है। वहीं दोपहर को गर्मी का एहसास भी हो रहा है। शहर में आज सुबह घना कोहरा छाया रहा। राजनांदगांव शहर में अब ठंड की शुरूआत होने लगी है। अब तक उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है। बीते कुछ समय से लगातार बदलते मौसम की वजह से इस वर्ष ठंड की शुरूआत व एहसास काफी देरी से हुआ है। आज सुबह शहर में घना कोहरे के साथ ठंड ने दस्तक दे दी है। सुबह लगभग 5 बजे शहर के फ्लाई ओवर और रेल मार्ग में 10 मीटर के बाद कुछ भी नजर नहीं आ रहा था। सड़क पर वाहन चालकों को काफी सावधानीपूर्वक वहां चलना पड़ा।

गर्मी से मिलेगी राहत

नवरात्र प्रारंभ होते ही ठंड की शुरूआत भी हो जाती है, लेकिन इस वर्ष दशहरा के बाद भी ठंड का आगाज नहीं हुआ था और दोपहर के वक्त अब भी उमस भरी गर्मी बनी हुई है। वहीं आने वाले एक सप्ताह बाद इस गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

चावल जमा करने में विलंब, तीन मिलर्स पर कार्रवाई

राजनांदगांव। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में कस्टम मिलिंग अंतर्गत चावल जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है। जिले में अब तक एफसीआई में 99842 मीट्रिक टन चावल तथा नागरिक आपूर्ति निगम में कुल 16067 मीट्रिक टन अरवा चावल जमा किया जाना शेष है। जिले में अब तक लगभग 76 प्रतिशत कस्टम मिलिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले के सभी राईस मिलर्स को कस्टम मिलिंग अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा के कार्य में प्रगति लाने तथा शेष 24 प्रतिशत चावल जमा कराने खाद्य विभाग के अधिकारी को सभी राईस मिल का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी ने बताया कि जिले के राईस मिलों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण में तीन राईस मिलों की जांच एवं भौतिक सत्यापन में धान व चावल की कमी पाई गई। कार्रवाई में मां परमेश्वरी राईस मिल चारभाठा डोंगरगढ़ से 800 क्विंटल धान एवं 1000 क्विंटल चावल, श्री श्याम इंडस्ट्रीज महराजपुर छुरिया से 500 क्विंटल धान एवं 1450 क्विंटल चावल तथा मेसर्स एमजे फूड प्रोडक्ट डोंगरगढ़ से 4000 क्विंटल धान एवं 1800 क्विंटल चावल कुल 6800 क्विंटल धान एवं 2750 क्विंटल चावल जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया और संबंधित राईस मिलर्स को नोटिस जारी कर प्रकरण न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

श्री चित्रगुप्त मंदिर में कन्याभोज व भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव। कायस्थ समाज राजनांदगांव पंजीयन क्र. 5410 के तत्वावधान में सभी पदाधिकारी एवं संरक्षकगणों की उपस्थिति में कायस्थ महिला मंडल द्वारा नवरात्रि पर्व पर श्री चित्रगुप्त मंदिर में कन्या भोज का आयोजन किया गया। श्री मंदिर के पुजारी द्वारा समस्त पूजन कार्य संपन्न कराए गए। तत्पश्चात सभी कन्याओं एवं बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन प्रसादी कराया गया एवं उपहार प्रदान किया गया। अगले दिवस महिला भजन मंडली (नवागांव) द्वारा कीर्तन व भजन का कार्यक्रम रखा गया था।

इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष सावित्री श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष विम्मी श्रीवास्तव, सचिव सीमा श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मालती श्रीवास्तव एवं कार्यकारिणी सदस्य सरला

श्रीवास्तव, निरूपमा श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, चंद्रिका श्रीवास्तव, स्वाति वर्मा एवं अन्य महिला सदस्य संध्या श्रीवास्तव, आरती श्रीवास्तव, शिखा श्रीवास्तव, पूजा श्रीवास्तव, साधना खरे, विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, चंद्रकली श्रीवास्तव, रितु श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, इंदू श्रीवास्तव, रामबाई श्रीवास्तव समेत कृष्णा श्रीवास्तव, सुरेंद्र श्रीवास्तव, रोहिणीकांत श्रीवास्तव, आनंदकुमार श्रीवास्तव, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, आदेश श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, गणेश श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, अभिनय श्रीवास्तव, आशीष वर्मा, नीरज श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी महिला मंडल की सचिव सीमा श्रीवास्तव ने दी।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
हरिभूमि समाचार पत्र को सर्वे कार्य हेतु 10 युवकों की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन हो, इच्छुक व्यक्ति संपूर्ण बायोडाटा के साथ तुरंत संपर्क करें।
योग्यता : 10वीं, 12वीं, स्नातक
वेतन 10,000+
बाहर के अभ्यर्थियों के लिए आवास की सुविधा
Resume Whatsapp करें
8319268069, 7489534456
हरिभूमि
ब्यूरो कार्यालय, दुर्गा चौक, राजनांदगांव